देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–267 । सागर, शुक्रवार, 17 नवम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

सार समाचार

बाईक फिसलने से दो युवक घायल

नौगांव/छतरपुर, देशबन्धु। गुरूवार की शाम पड़रिया थाना मऊरानीपुर से ग्राम भगारी में मोटर साईकिल से दो युवक एक महिला आ रही थी जिनकी मोटर साईकिल टोल प्लाजा के पास अनियंत्रित होकर फिसल गयी। जिसमें पड़रिया निवासी अनिल अहिरवार उम्र 30 साल, जागेश्वर प्रसाद उम्र 33 साल घायल हो गये। बाईक पर जागेश्वर की पत्नी भारती और उसका बच्चा भी बैठा था जो इस हादसे में बच गये। जो हादसे में चोटिल नहीं हुआ जानकारी लगते ही टोल प्लाजा की एम्बुलेंस घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लायी जहां उनका उपचार किया गया।

युवक पर कुल्हाडी से किया जानलेवा हमला

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के हरपालपुर थाने के अंतर्गत ग्राम कैथोकर में एक युवक पर कुल्हाडी से जानलेवा हमला करके उसे बुरी तरह से घायल कर दिया गया है। घटना की वजह पुरानी बुराई से उपजा विवाद बताया गया है। जानकारी के अनुसार कैथोकर निवासी शिवपाल राजपूत को उसके पडोसी एक युवक ने अकेला पाकर कुल्हाडी से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे शिवपाल बुरी तरह से घायल हो गया। घटना का पता चलने पर स्वजन उसे तुरंत हरपालपुर के अस्पताल लेकर आये वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के लिये रैफर कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि घायल की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

विधायक की पत्नी के विरूद्ध आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र बड़ामलहरा के क्षेत्रीय विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी की पत्नी के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बताया गया है कि कार्तिक मास में कार्तिक स्नान करने वाली कतकारियों को विधायक की पत्नी के द्वारा 100-100 रुपये देने का वीडियो वायरल इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ था। इसके बाद गुलगंज थाना में मामला दर्ज कराया गया है। इस बारे में एफएसटी टीम के प्रभारी गनपत आदिवासी पिता गिट्टू सौंर राजस्व निरीक्षक तहसील बड़ामलहरा द्वारा एक लिखित आवेदन इस आशय का प्रस्तुत किया गया था। जिसमें कहा गया था कि विधानसभा 53 मलहरा के भाजपा प्रत्याशी वर्तमान विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी की पत्नी द्वारा गुलगंज थाना इलाके के कांयन गांव में देवस्थान ग्वालबाबा खंदिया में 14 नवंबर की सुबह तकरीबन 6.00 बजे कार्तिक स्नान करने वाली कतकारियों को 100-100 के नोट एवं अन्य सामग्री बांटी जा रही थी जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। राजस्व निरीक्षक द्वारा गुलगंज पुलिस को दिए गए आवेदन की जांच में प्रथम दृष्टया भाजपा प्रत्याशी द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप सत्य पाया गया है।

इसके आधार पर गुलगंज थाना प्रभारी द्वारा धारा 188,171 (ई) भारतीय दंड विधान के अंतर्गत दंडनीय अपराध पाए जाने से भाजपा के प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह लोधी की पत्नी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। बताया गया है कि शिकायतकर्ता राजस्व निरीक्षक ने उक्त वीडियो की सीडी 12 प्रतियों में कथन एवं पंचनामा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी रिटर्निंग आफीसर की ओर प्रस्तुत किये है।

बीएड कालेज के पूर्व प्राचार्य का निधन

छतरपुर, देशबन्धु। यहां के शासकीय बीएड कालेज के पूर्व प्राचार्य इंद्रजीत गुप्ता का सागर में निधन हो गया है। वे 94 वर्ष के थे और काफी दिनों से बीमार थे। श्री गुप्ता मूल रूप से छतरपुर के निवासी रहे हैं वे अपने स्वभाव और कार्यशैली से शिक्षा और सामाजिक जगत में काफी लोकप्रिय रहे हैं। उनके निधन पर बडी संख्या में लोगों ने दुख जताते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है।

सवार की दम से चली साइकिल, बिगड़ गई हाथी की चाल

छतरपुर में सपा, बसपा बेअसर, चुनावों में वोट काटने तक सीमित

✷ संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले की 6 विधानसभा सीटों पर लगातार तीन चुनाव में सवार के दमखम से साइकिल जरूर चली है, मगर बसपा के हाथी के सेहत नाजुक रही है।

छतरपुर जिला मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा को जोड़ता है। इस कारण यहां उत्तर प्रदेश की राजनीति का भी दखल बराबर बना रहता है। यहां जमीन तलाशने की कोशिश में लगी बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी हर चुनाव में यहां अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ाती हैं। यह बात अलग है कि इन दोनों दलों के लिए छतरपुर जिला हर बार रेगिस्तान ही साबित होता रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख दलों में शुमार बसपा और सपा जैसे ही सीमा पार करके मध्य प्रदेश में दखल देते हैं, वैसे ही दोनों की ताकत कमजोर पड़ जाती है। यहां ये दोनों दल केवल वोट काटने तक ही सीमित रहे हैं। यह अलग बात है कि इस बार के चुनाव में बिजावर सीट से प्रत्याशी ने अपनी छवि के दम पर साइकिल दौड़ाई और सपा को विधानसभा में पहुंचाया है। वहीं इस अंचल में बसपा के हाथी की सेहत में इस बार भी कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है।

वर्ष 2008 से 2018 तक तीन चुनाव में यहां से बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं चुना गया, जबकि 2008 व 2013 में सपा को कामयाबी नहीं मिली। वहीं 2018 के चुनाव में जरूर जिले की बिजावर सीट से प्रत्याशी अपने दमखम से साइकिल दौड़ाकर विधानसभा तक पहुंच गया। बाद में ये अलग बात है कि सपा से जीता साइकिल सवार अपने निहित स्वार्थों के कारण साइकिल छोड़कर कमल का साथी बन गया।

हमेशा कमजोर रहा हाथी, नहीं सुधरी सेहत

उत्तर प्रदेश की सीमा तक अपना दबदबा बनाए रखने वाला बसपा का हाथी जैसे ही चुनावी मौसम में सीमा पार करके मध्यप्रदेश में कदम रखता है, वैसे ही उसका दमखम कमजोर पड़ जाता और सेहत बिगड़ जाती है। यही कारण है कि तीन चुनाव में हाथी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। केवल वोट काटने तक सीमित है। आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2018 के चुनाव में जिले की 6 सीटों पर बसपा प्रत्याशी कुछ खास नहीं कर पाए। महाराजपुर सीट से कांग्रेस से बागी राजेश महतों ने हाथी की सवारी की, लेकिन 9505 मत पाकर वे चौथे स्थान पर आये। चंदला से पुष्पेन्द्र अहिरवार 25739, राजनगर से विनोद पटेल 28130 और छतरपुर से अब्दुल समीर 9161 मत पाकर तीसरे स्थान रहे। बिजावर में अनुपमा यादव 9318 मत पाकर चौथे स्थान पर जा पहुंची। मलहरा सीट से कांग्रेस से बागी हरिकृष्ण द्विवेदी बसपा से उम्मीदवार थे, वे भी 14922 मत पाकर तीसरे स्थान पर आए हैं और चुनाव में हाथी कोई कमाल नहीं कर पाया है। पिछले दो चुनावों की बात करें तो वर्ष 2008 में छतरपुर सीट से डीलमणि सिंह ने हाथी की सवारी की। उनकी छवि असरदार रही और 22591 मत पाकर वे भाजपा को कांटे की टक्कर देने में सफल रहे और दूसरे स्थान पर आए। इसी तरह इस चुनाव में मलहरा में हाथी चौथे स्थान पर आया, बिजावर, चंदला और महाराजपुर में तीसरे स्थान पर रहा। वहीं राजनगर में दूसरे स्थान पर टिक गया। वर्ष 2013 के चुनाव में भी बसपा का हाथी केवल अन्य दलों के वोट काटने की स्थिति में रहा। 2013 के चुनाव में महाराजपुर, बिजावर, चंदला और राजनगर सीट से बसपा प्रत्याशी तीसरे स्थान पर ही रहे। इससे साफ है कि यहां हाथी उत्तर प्रदेश की तरह करामाती साबित नहीं हुआ है। अब इस चुनाव के नतीजे जब 3 दिसंबर को आएंगे तो पता चलेगा कि इस बार हाथी की सेहत कुछ सुधरी या हमेशा की तरह कमजोर रही है।

2003 से दिखा साइकिल का असर

वर्ष 2003 के चुनाव में छतरपुर जिले से सपा की साइकिल ने अपना वर्चस्व पहली बार साबित किया था। उसके बाद 2008 और 2013 के चुनाव में साइकिल बेअसर रही है। चुनावों में समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन कोई खास नहीं रहा है। वर्ष 2008 में छतरपुर, बड़ामलहरा, बिजावर, राजनगर सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पांचवें नंबर पर रहे हैं। वहीं चंदला सीट से सपा प्रत्याशी ने चौथे स्थान पर जगह बनाई। सभी उम्मीदवारों की जमानतें भी जब्त हो गई थी। वर्ष 2013 के चुनाव में जिले की सभी 6 सीटों पर सपा ने अपने प्रत्याशी उतारे। मजे की बात तो ये रही कि छतरपुर सीट से चुनाव लड़े अरुण मिश्रा 854 मत पाकर दसवें नंबर पर आए थे। वहीं महाराजपुर और बिजावर में सपा प्रत्याशी पांचवें स्थान पर और चंदला व राजनगर सीट से चौथे स्थान पर जगह बना सके । इससे जाहिर है कि इन दोनों चुनावों में मतदाताओं पर सपा बेअसर रही है। ऐसा ही कुछ इस 2018 के चुनाव में नजर आया। इस बार बिजावर सीट से कांग्रेस के बागी राजेश शुक्ला पर सपा ने जो दांव लगाया वह फायदे वाला रहा। ये बात अलग है कि सपा की नीतियां यहां भले ही काम न आई हों, लेकिन साइकिल पर सवार श्री शुक्ला ने अपनी दम से साइकिल चलाई और 67623 मत लेकर विधानसभा में दाखिल हो गए। जबकि छतरपुर सीट से सपा प्रत्याशी मोहन सिंह 640 मत पाकर नौंवे नंबर पर आए। राजनगर से कांग्रेस के कद्दावर नेता सत्यवृत चतुर्वेदी के पुत्र नितिन ने सपा से चुनाव लड़ा और 23109 मत पाकर चौथे स्थान रहे। इसी तरह महाराजपुर सीट से प्रीतम यादव 5440 मत लेकर पांचवें तथा चंदला सीट से भाजपा की बागी अनित्या सिंह ने सपा से चुनाव लड़कर 15994 चौथे स्थान पर रहीं। वहीं बड़ामलहरा सीट से चुनाव लड़ने के लिए सपा को कोई उम्मीदवार ही नहीं मिला। इससे जाहिर है कि इस क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का असर नहीं, बल्कि पार्टी जिस पर दांव लगाती है यदि उसका असर हुआ तभी साइकिल दौड़ती है।

14 लाख 18 हजार 815 मतदाता आज करेंगे 84 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला

मतदान केन्द्रों से लेकर जिले के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

छतरपुर, देशबन्धु। शुक्रवार को सुबह से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। जिले की 6 विधानसभा क्षेत्रों के 1586 मतदान केन्द्रों पर कुल 14 लाख 18 हजार 815 मतदाता 84 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला ईव्हीएम का बटन दबाकर लांक कर देंगे। मतदान सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिये प्रशासन ने चाक-चैबंद व्यवस्थायें की हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने बताया कि जिले में 7 लाख 54 हजार 22 पुरूष मतदाता, 6 लाख 64 हजार 770 महिला मतदाता और तृतीय लिंग वाले 23 मतदाताओं सहित कुल 14 लाख 18 हजार 815 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 18 से 19 वर्ष के 57916 मतदाता, 80 वर्ष से अधिक के 19816 पीडब्ल्यूडी मतदाता और 8666 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं।

यदि अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या पर नजर डालें तो महाराजपुर में 223507, चंदला में 228231, राजनगर में 236328, छतरपुर में 215570, बिजावर में 217818, मलहरा में 223517 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के लिये शहरी क्षेत्र में 318 मतदान केन्द्र, ग्रामीण क्षेत्र में 1268 सहित कुल 1586 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

चुस्त रहेंगे सुरक्षा के बंदोबस्त

जिले में बनाये गए सभी मतदान केन्द्रों सहित पूरे जिले में शांतिपूर्वक मतदान के लिये सुरक्षा के चुस्त बंदोबस्त किये गये हैं। एसपी अमित सांघी ने बताया कि जिले के लिये अर्धसैनिक बलों की 15 कंपनियों ने मोर्चा संभाल लिया है। विशेष सशस्त्र बल की 3 कंपनियों सहित उत्तर प्रदेश से होमगार्ड के 1100 सैनिक और जिला पुलिस बल के 1000 अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इनके अलावा 2000 स्पेशल पुलिस आफीसर डयूटी करेंगे। एसपी ने बताया कि मतदान पर 149 सेक्टर मजिस्ट्रेट पैनी निगाह रखेंगे। उनके साथ सेक्टर पुलिस अधिकारी और पर्याप्त सुरक्षा बल पूरी तरह से सक्रिय रहेगा।

ये टीम 10-12 बूथों को कवर करेगी। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्वक मतदान के लिये 190 आपराधिक तत्वों को जिला बदर किया गया है। चुनाव के दौरान यदि कहीं भी मतदान को प्रभावित करने का प्रयास किया गया तो ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिये गये हैं।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से नहीं मिली सड़क, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले के ग्राम फुटेरा के ग्रामीण लंबे समय से सड़क की समस्या से जूझ रहे हैं। इस मामले में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने चुनाव में मतदान न करने की चेतावनी दी है।

जिले के कुछ गांवो में विकास देखने की कितनी भी कोशिश कर लीजिए आपको दूर दूर तक धुंधला विकास भी नहीं दिखेगा। कई गांवों में तो आज भी सड़क ही नहीं है। ये आश्चर्यजनक है कि आधुनिकता के इस दौर में सड़क न हो, ऐसा भी नहीं है कि यहां पहले कभी कोई सड़क रही हो जो बाद में सरकार की अनदेखी की वजह से खस्ताहाल हो गई हो या गायब हो गई हो। इन्हीं गांवों में से एक है फुटेरा गांव। यहां के ग्रामीणों की मानें तो वे पिछले 25 वर्षों से वे सड़क बनवाने की मांग जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन से करते आ रहे हैं। लेकिन आज तक सड़क नहीं बनी है। सड़क न होने के कारण गांव के लोगों सहित स्कूल जाने वाले छात्र.-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पडता है। इस कारण से ग्रामीणों में खासी नाराजगी है। ग्रामीणों ने खराब सड़क के ऊपर एक बैनर लगाया है, जिसमें लिखा हुआ है रोड नहीं तो वोट नहीं।

देखा जाये तो यहां के ग्रामीण सडक सहित गांव में मूलभूत सुविधाएं न होने के कारण सरकार से खासे नाराज हैं। ग्रामीणों का कहना है हर बार जब भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव आते हैं तो जनप्रतिनिधि वोट मांगने गांव में पहुंचते हैं। उनके सामने सडक न होने की बात रखी जाती है तो वे ग्रामीणों को सिर्फ आश्वासन देकर दोबारा गांव की तरफ आते ही नहीं हैं। यहां के लोग सरकार को आते.जाते तो देख रहे हैं लेकिन विकास और सुविधायें आज तक गांव में नहीं पहुंची हैं।

तिवारी ने क्षेत्र की जनता से की भावुक अपील

महाराजपुर, देशबन्धु। महाराजपुर विधानसभा सीट के सपा प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी ने कहा कि आपने नेता बहुत चुने, इस बार बेटे को क्षेत्र की सेवा का दायित्व सौंपकर देखें। मैं कभी आपको निराश नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि आपका बेटा आज आपकी दी हुई ताकत के कारण इस चुनावी लड़ाई में बहुत मजबूती से लड़ाई लड़ रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि जिस तरह आपने मेरे इस चुनावी अभियान में मुझे अपना प्यार दिया है वह इस बात की तरफ इशारा कर रहा है कि आप सभी इतिहास रचने जा रहे हैं। आपके संघर्ष की साईकिल अब भोपाल जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बार बदलाव जरूरी है क्योंकि कांग्रेस जनता के बीच अपना भरोसा खो चुकी है।

हमारी लड़ाई जुल्म और शोषण की राजनीति करने वाले भाजपा के उस परिवार से है जिसके बारे में आप भली भांति जानते हैं। हमें लोकतंत्र को बचाने और व्यवस्था में परिवर्तन लाने के लिए भाजपा को हराना है।हमें उम्मीद है कि आप तानाशाहों को जवाब देकर। जनता पर थोपे गए प्रत्याशी को घर बैठाने का काम करेंगे।

हमने भाजपा कांग्रेस के नाम पर बहुत धोखे खा लिए। अब और धोखे नही खाने हैं। एक तरफ सोने की चम्मच के साथ पैदा हुए ऐसे प्रत्याशी हैं जो आज तक किसान, मजदूर, गरीब का दर्द जानने घर से नही निकले। उन्हें तो परिवार के नाम पर राजतिलक कराने की तैयारी भाजपा ने कर रखी है। दूसरी तरफ एक ऐसा प्रत्याशी है जो अपनी पार्टी के साथ धोखेबाजी कर चुका है।उनका पूरा परिवार ही राजनीति की दुकान सजाकर पांच साल तक जनता को लूटता रहा है। ये दोनों ही प्रत्याशी जनता को सिर्फ छल और धोखा दे सकते हैं इसलिए इनको नकारने का वक्त आ गया है।

मैं आज फिर आपसे वादा करता हूँ कि आपने नेता बहुत चुन लिए इस बार बेटे को चुनिए। हमने पाँच साल जनता की सेवा की है।उनके लिए संघर्ष की लड़ाई लड़ी है। मैं आपको कभी निराश नही करूँगा। आप एक बार मुझे सेवा का अवसर दीजिये। मैं अपनी आखों में क्षेत्र के विकास के लिए कई सपने सजाकर लाया हूं इन्हें तभी पूरा कर पाऊंगा जब आप मुझे अपना आशीर्वाद देंगे। 17 नवंबर वह तारीख है जब आपको अपने क्षेत्र की तकदीर लिखनी है। आपको अपनी आने वाली पीढियों का भविष्य तय करना है।

निर्दलीय प्रत्याशी ने भाजपा को दिया समर्थन

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र छतरपुर से निर्दलीय चुनाव लड रहे प्रत्याशी मनोज अग्रवाल मंजू नेता ने भाजपा प्रत्याशी ललिता यादव को अपने हजारों समर्थकों की मौजूदगी में समर्थन देकर भाजपा को भारी मतों से जिताने की अपील की है। मंजू नेता ने कहा कि वे भाजपा की नीतियों और प्रत्याशी से प्रभावित होकर अपना समर्थन भाजपा को दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास और आमजन की सुरक्षा का दायित्व केवल भाजपा ही निभा सकती है।

ठंड के तेवर हो गए तल्ख, हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

छतरपुर, देशबन्धु। हवाओं की दिशा बदलने के साथ पहाड़ों पर बर्फबारी का असर छतरपुर जिले में पड़ने लगा है। गुरुवार को सुबह से धूप खिली पर दोपहर में आसमान पर बादल की हल्की पर्त छा जाने से सर्द हवाओं से ठंड के तेवर तल्ख हो गए और ठिठुरन बढ़ गई है।

शहर के बाहरी इलाके में दिन में धुंध जैसी छा गई। अभी तक सुबह और शाम से रात में सर्दी का असर था। मगर आज हल्के बादल छाने से मौसम अचानक बदल गया है।

हवा का रुख बदलने से शहर के मौसम में बदलाव आ गया है। सर्दी के मौसम में पहले जैसी उम्मीद जताई जा रही थी, उसको आज मौसम के मिजाज ने सही साबित कर दिया। हवाओं की दिशा उत्तरी हो जाने से अब उत्तर भारत से सर्द हवाओं के आने का सिलसिला तेज हो गया है। इसी कारण फिजां में ठंडक घुलने लगी है। दिन के साथ-साथ रात में ज्यादा ठंड का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अब लोग गर्म कपड़े पहने दिखाई देने लगे है। देर रात सर्दी बढ़ने पर लोग आग ही सर्दी से बचाव करते दिखाई देने लगे हैं।

बच्चों और वृद्धों को सर्दी से बचाना जरूरी

वैसे तो सर्दी का मौसम स्वास्थ्य वर्धक माना जाता है। इन दिनों बार-बार बदलते मौसम के साथ एक पखवाड़े से सर्दी बढ़ने लगी है। यह सर्दी बच्चों और वृद्धों की सेहत पर भारी पड़ रही है। बच्चों में सर्दी जुकाम से लेकर निमोनिया की शिकायतें खूब मिल रही हैं। जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में सर्दी पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ी है। दमा, बीपी, जोड़ों के दर्द और दिल से जुड़ी बीमारियों वालों पर सर्दी का अधिक सितम ढा रही है।

डा. सुनील अग्रवाल का कहना है कि बच्चों या वृद्धों को सर्दी से बचाना जरूरी है। सर्दी का असर होते ही तुरंत डाक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। सावधानी बरतकर सेहत को बचाने में जरा भी लापरवाही न करें इसी में सभी की भलाई है।

कागजों पर चल रही गौ शालाएं, सड़क पर घूम रहा बेसहारा गौ-वंश

__छतरपुर; देशबन्धु।__ जिले में गौ पालन के नाम पर मौकापरस्तों की दुकानदारी अच्छी खासी चल रही है। बड़ी संख्या में गौ शालाएं कागजों पर बनी हैं और गौ.वंशीय पशु सड़कों पर बेसहारा भटक रहे हैं।

सड़को पर घूमने वाले गौ-वंश के कारण दिन हादसे हो रहे हैं। जिसमें लोग अकसर अपनी जान गंवा देते हैं और गौ वंशीय पशुओं की मौत भी हो जाती है। गौ.वंशीय पशुओं की ऐसी दुर्दशा पर जिम्मेदार मौन हैं, वहीं गौ.सेवक अपनी मजबूरियां गिनाकर जिम्मेदारी से बच रहे हैं। सही मायने में जिले में संचालित करीब 30 गौ शालाओं को गौवंश को रखने के लिए शासन अनुदान दे रहा है। इसके साथ कमलनाथ सरकार के 15 माह के कार्यकाल में जिले में पंचायत स्तर पर भी करीब 70 गौ शालाओं का निर्माण कराया गया था। देखा जाये तो गौवंश को रखने के लिए अधोसंरचना और अनुदान की कोई कमी नहीं है फिर भी बेसहारा जानवरों को सडकों से गौ शालाओं में शिफ्ट नहीं किया जा रहा है।

सूत्रों की मानें तो छतरपुर शहर में लगभग तीन हजार से अधिक गायें सड़कों पर बेसहारा भटक रही हैं। इनके रहने, खाने.पीने का इंतजाम नहीं है। शहर के हर वार्ड में कम से कम 30 से 40 गायें खाने की तलाश में सड़कों, गलियों में भटकती रहती हैं। हर सड़क पर इनकी वजह से जाम लगता है। सड़क के किनारे और सड़क पर बैठी गायों को बचाने के प्रयास में दुर्घटना हो रही हैं।

रात में समय सड़क पर बैठे गौ.वंश बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की वजह बन रहे हैं। लोग हादसों का शिकार होकर जान गंवा रहे हैं। इन दुर्घटनाओं में 2 से तीन गायों की रोजाना मौत हो रही है, कम से कम चार से पांच लोग घायल हो रहे हैं। गायों को बचाने के चक्कर में रोज 5 एक्सीडेंट शहर में होते ही हैं। छतरपुर से होकर गुजरने वाले दो राष्ट्रीय राजमार्ग और फोरलेन पर बड़ी संख्या में आवारा पशु विचरण कर रहे हैं। यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है, लेकिन राहत दिलाने की ओर किसी का ध्यान नहीं है।

मतदान से पहले 17 आदतन अपराधी जिला बदर

छतरपुर, देशबन्धु। जिला दंडाधिकारी संदीप जी.आर. ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए छतरपुर जिले विभिन्न थाना अंतर्गत 17 आदतन अपराधियों पर एक साथ गुरुवार को जिला बदर की कार्यवाही की है।

जिला दंडाधिकारी द्वारा यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के प्रतिवेदन पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 तथा लोक व्यवस्था अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही की गई है। बताया गया है कि जिले के थाना कोतवाली अंतर्गत 6, थाना सिविल लाइन 1, गौरिहार में 2, सरबई में 1, नौगांव में 1, हरपालपुर में 1, बमीठा में 1, बाजना में 1, बकस्वाहा में 1, मातगुवां में 1 एवं खजुराहो थानांतर्गत 1 अपराधी पर जिला बदर की कार्यवाही की गई है। यहां बता दें कि इसके पहले 173 अपराधियों के विरूद्ध एक साथ कार्यवाही हो चुकी है। यह 17 आपराधियों पर चौथी कार्यवाही भी सम्भवत: प्रदेश की बड़ी कार्यवाही है।

दाना.पानी छीना तो सड़क पर आई गायें

पुराने समय से दो वक्त के दाना.पानी के बदले दूध देने और मरने के बाद शरीर के चमड़े से कई लोगों का रोजगार चलाने वाली गाय सड़कों पर मारी.मारी फिर रही हैं। दरअसल उनके रहने.खाने का इंतजाम इंसान ने छीन लिया है जिससे गायें सड़कों पर आ गई हैं। बस यहीं से गाय सड़क दुर्घटना की वजह और शिकार बनने लगी हैं। शहर हो या गांव, सभी जगह गौ.वंश की दुर्दशा हो रही है। भूख.प्यास से बिलखते ये बेजुबान अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ बोल भी नहीं पाते हैं। सड़क पर आवारा घूम रही किसी भी गाय की आंखें और शरीर के जर्जर ढांचे को देखने से ही महसूस हो जाता है कि इन आंखों से बह रहे आंसूओं की वजह क्या है। कितनी तकतीफ में गुजरता है इनका हर दिन।

बेमानी हुये कलेक्टर के आदेश

यहां बता दें कि कुछ समय पहले कलेक्टर ने जिले की सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश के बाद सीईओ जिला पंचायत ने नगर पालिका शहरी अभिकरण के माध्यम से सभी नगर निकायों को इस हेतु पत्र भी लिखा लेकिन दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का यह आदेश जिम्मेदारों के लिए बेमानी हो गया है।

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–267 । सागर, शुक्रवार, 17 नवम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

टनल में फंसे मजबूरों को निकालने का काम जारी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री वीके सिंह पहुंचे उत्तरकाशी

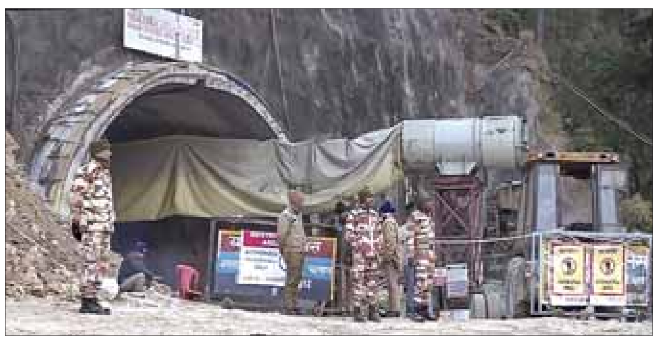

उत्तरकाशी, देशबन्धु। केंद्रीय नागर विमानन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (रिटा.) वीके सिंह ने सिलक्यारा टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन एवं ऑगर मशीन से ड्रिलिंग की प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

जनरल सिंह ने अधिकारियों की बैठक लेकर रेस्क्यू अभियान की समीक्षा की और पत्रकारों से वार्ता कर रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टनल में फंसे मजदूरों को निकालना सरकार की पहली प्राथमिकता है। ऑगर मशीन की स्थापना का कार्य पूर्ण होने के बाद सुरंग के भीतर जमा मलवे में ड्रीलिंग शुरू हो चुकी है।6 मीटर लंबे एक पाइप की ड्रिलिंग पूरी हो गई है। दूसरे पाइप की ड्रिलिंग जारी। टनल विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय संगठन और विशिष्ट प्रकृति के रेस्क्यू कार्यों में उच्चतम कोटि की दक्षता व अनुभव रखने वाले संगठनों व विशेषज्ञों से भी लगातार सलाह मशविरा किया जा रहा है। सरकार मजदूरों को जल्द से जल्द बाहर निकालने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है और वैकल्पिक रणनीति भी तैयार रखी गई है। राज्य सरकार रेस्क्यू अभियान में उल्लेखनीय और सराहनीय सहयोग कर रही है।रेस्क्यू अभियान पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अभियान जल्द कामयाबी के साथ से संपन्न हो जाएगा।

अब सुरंग निर्माण कार्यों की समीक्षा खुद करेगी सरकार

उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में हुए भूधंसाव के चलते पिछले 5 दिनों से मजदूर टनल में फंसे हुए हैं। मजदूरों को टनल से बाहर निकलने के लिए आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार प्राथमिकता के आधार पर टनल में फंसे लोगों को निकलने की कवायद में जुटी हुई है। इसी बीच अब उत्तराखंड सरकार ने इस हादसे से सबक लेते हुए बड़ा निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत भविष्य में होने वाले टनल निर्माण कार्यों की सरकार खुद समीक्षा करेगी।

राजस्थान में भाजपा का घोषणा पत्र जारी

5 साल में ढाई लाख नौकरियां देने का वादा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। भाजपा ने वादा किया है कि गेहूं की फसल 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जाएगी। इसके साथ ही जिन किसानों की जमीन कुर्क हो गई है, उन्हें मुआवजा देने के लिए एक कमेटी बनवाई जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर शहर में एंटी रोमियो फोर्स तैयार की जाएगी और हर थाने में एक महिला डेस्क बनाई जाएगी। वहीं मेरिट में आने वाली छात्राओं को 12वीं के बाद फ्री स्कूटी दी जाएगी। इसके साथ ही भाजपा ने पांच साल में ढाई लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है।

लाडली की तर्ज पर लाडो प्रोत्साहन योजना

इसमें 2 लाख रुपए का सेविंग बॉन्ड हर नवजात बेटी को दिया जाएगा। छठी क्लास में 6 हजार रुपए, नौंवी क्लास में 8 हजार रुपए, 10वीं क्लास में 10 हजार, 12वीं क्लास में 14 हजार रुपए, प्रोफेशनल पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपए और 21 साल की होने पर 1 लाख रुपए अकाउंट में डिपॉजिट होगा। यह योजना मप्र की लाडली लक्ष्मी योजना की तर्ज पर शुरू की जाएगी।

गहलोत सरकार के घोटालों की जांच के कराएंगे

भाजपा ने वादा किया है कि उसकी सरकार आई तो गहलोत सरकार में हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी। इसके तहत पेपर लीक, जल जीवन मिशन, वृद्धा पेंशन घोटाले समेत सभी घोटालों की जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान में हुए घोटालों पर कार्रवाई करने का वादा करते आ रहे हैं।

चिकनगुनिया का पहला टीका फ्रांस ने किया तैयार

नई दिल्ली, देशबन्धु। चिकनगुनिया का पहला टीका फ्रांस ने तैयार किया है। फ्रांसीसी बायोटेक कंपनी वलनेवा द्वारा तैयार किए गए चिकनगुनिया के टीके को यूएस फूड एंड डग एडमिनिस्टेटिव (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही यह दुनिया की पहली कंपनी हो गई है,जिसे अधिकृत रूप से चिकनगुनिया का टीका बनाने का लाइसेंस हासिल हो गया है। कंपनी जल्द ही इस टीके को भारत में लांच करने की तैयारी में है। वलनेवा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी जुआन कार्लोस जारामिलो ने इसकी पुष्टि करते हुए कहाकि वह कोएलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और ब्राजील की इंस्टीट्यूटो बुटानटन के साथ साझेदारी करके भारत में यह टीका बनाने की तैयारी में हैं। बतादें कि सीईपीआई एक अंतर्राष्ट्रीय,जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पहचाने गए उभरते संक्रामक रोगों के खिलाफ टीका विकास में अनुसंधान को वित्त पोषित करता है। जबकि इंस्टीट्यूटो बुटानटन एक जैविक अनुसंधान केंद्र है। जारामिलों ने बताया कि भारत में टीका लांच करने का लेकर डग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से बातचीत चल रही है।

विशेष सम्पादकीय

किसे वोट देना है, कैसे करें फैसला!

• **नरेंद्र कुमार मौर्य**

चुनावी सरगर्मियां चरम पर हैं। हर प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। जनता के सामने वायदों और घोषणाओं का ढेर लगा है। ऐसे में आम मतदाता क्या करे? कैसे फैसला करे कि कौन सही है और कौन गलत। आज हर मतदाता के सामने यह सवाल है। अब तक वह धर्म, जाति और क्षेत्रीयता को ही महत्वपूर्ण मानता रहा है, इसलिए कई जगह जातियाँ जीतने हारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन क्या इससे उस समाज का कुछ भला होता है? हर बार जनप्रतिनिधियों पर अपने परिवार और जात बिरादरी के लोगों को फायदा पहुंचाने के आरोप लगाये जाते हैं। लेकिन वह अपने चुनिंदा लोगों का ही भला कर पाता है। ऐसे में समाज के बड़े हिस्से को क्या मिलता है? उसके अहम को सिर्फ संतुष्टि मिलती है कि उसके समाज का आदमी इतनी ऊपर पहुंचा, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? जवाब है– नहीं, तो फिर आम मतदाता कैसे फ़ैसला करे कि किसे वोट देना है? यह बड़ा सवाल है। खासकर उन मतदाताओं के लिए जिनके पास जानकारी की कमी है। जो जानकारी उन्हें दी जाती है, उसकी सत्यता जांचने की व्यवस्था उनके पास नहीं है। ऐसी स्थिति में क्या किया जाये?

विंध्य क्षेत्र में घूमते हुए एक गाँव में दो तीन जगह आदिवासियों ने हमसे ही पूछ लिया कि आप ही बताओ, हम क्या करें, किसे वोट दें? उनके सवाल से हम चौंक गए। हमने जानने की कोशिश की कि क्या वे अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों को जानते हैं? बेशक, वे उनके नाम जानते थे। लेकिन निवर्तमान विधायक को वे पांच साल बाद देख रहे थे। लोग कहते हैं, उन्होंने बहुत काम करवाया, लेकिन क्या करवाया, यह उन्हें नहीं मालूम। हमने उनसे लंबी बातचीत की। पहचानना उन्हें ही था। हमें सिर्फ यह बताना था कि कैसे पहचानना है। इसी बातचीत के टुकड़े यहाँ पेश कर रहे हैं, ताकि दूसरों को भी मदद मिले। यह लेख लिखने का ख्याल भी तभी आया।

काम अगर होता है तो वह दिखाई देता है, लेकिन अगर वह हमारे काम का नहीं है तो बेमतलब है। काम वही जो जनता को कुछ सहूलियत दे, मसलन– लोगों को पानी के लिए दूर न जाना पड़े, बिजली पर्याप्त मिले और बिल भी अनाप शनाप न हो। सरकारी अस्पताल हर जगह हों और वहाँ डॉक्टर व स्टाफ भी मौजूद रहे। सरकारी स्कूलों में भी बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले। सरकार कुछ ऐसी व्यवस्था करे कि लोगों को रोजी रोटी कमाने के मौके मिलें। पढ़े–लिखे युवाओं को नौकरी मिले। और सबसे बड़ी बात लूट खसोट बंद हो यानी कानून व्यवस्था दुरुस्त हो। लोगों को सुरक्षा और न्याय मिले।

विधायक की स्थानीय प्रशासन पर पकड़ होती है। अगर उसे लोगों का खयाल है तो वह सक्रिय रहता है। इस बात के अनेक उदाहरण भी मौजूद हैं। सत्ता पक्ष का विधायक है तो अपने क्षेत्र में विकास के ज्यादा काम करवा सकता है। अगर विपक्ष का है, तब भी विधायक कोटे से जनता को सहूलियत देने वाले काम करवा सकता है, साथ ही जनता की मांगों को लेकर उनके साथ सड़क पर भी उतर सकता है। यहाँ सवाल यह है कि विकास क्या है?

एक मतदाता ने तल्ख़ी के साथ कहा कि इन चमकती सड़कों को क्या हम चाटेंगे, जब रोज़गार नहीं है और महंगाई भी इतनी है। दूसरे मतदाता ने अपने गाँव में बने यात्री प्रतीक्षालय पर ही सवाल उठा दिया। उसने तंज कसा कि इससे लोगों को नहीं, कुत्तों को बैठने की जगह मिल गई है। इसका मतलब है कि जो आम आदमी की मुश्किलों को कम करे, वही विकास है। कुछ विकास कार्य तात्कालिक राहत देते हैं और कुछ भविष्य की मुश्किलें कम करते हैं। लेकिन विकास को लेकर सरकार और जनता की सोच में ज़मीन–आसमान का अंतर है। सरकारें सड़कें, बड़ी–बड़ी इमारतें और मुफ्त राशन बांटने को अपनी उपलब्धि मानती हैं। साथ ही वह लोगों की भावनाओं को उद्वेलित करने वाले मुद्दे उठाती हैं, ताक जनता उन्हें अपना करीबी समझे। इसलिए हवाई जुमले भी उछाले जाते हैं। एक हिस्से पर उनका असर भी होता है, लेकिन वह असर ताजिंदगी नहीं रहता। एक दिन लोग समझ जाते हैं कि इसका उनकी जिंदगी से कोई मतलब नहीं है।

मुफ्त का राशन और अन्य सुविधाएं तात्कालिक राहत तो देती हैं, लेकिन भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं करतीं। चाय–समोसे की दुकान चलाने वाली एक महिला ने बताया कि एक योजना का पैसा मिल रहा है, फिर समोसे की तरफ इशारा करके कहा– लेकिन हमारा गुजारा तो इससे होता है। इससे मिलती–जुलती बात कुछ अन्य महिलाओं ने भी कही। ज़ाहिर है कि जो योजनाएँ लोगों को आत्मनिर्भर बनाएं, वही बेहतर हैं।

हर बार ऐसा होता है कि मतदान के एक दिन पहले नगदी, शराब या कोई और सामान बांटकर गरीब जनता को बरगलाने की कोशिशें की जाती हैं। ऐसे लोगों को जागरूक किया जाना ज़रूरी है। हमारा एक वोट सरकार बदल सकता है, आम आदमी को इस ताकत का अहसास होना ही चाहिए। इस बार मतदाताओं से बात करते हुए लगा कि वे इन मुद्दों पर अपने प्रत्याशियों को परख रहे हैं। यही वजह है कि हवाई बातें करने वाले प्रत्याशी परेशान हैं। वोट उसे ही देना है जिसमें हमारी बदहाली को बदलने वाली सोच और माद्दा हो।

विधानसभा चुनाव : निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी

प्रदेश की सभी 230 सीटों पर आज डाले जाएंगे वोट

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सभी 230 सीटों पर शुक्रवार 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर लीं हैं। सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने पत्रकारों को बताया कि निर्वाचन आयोग ने सभी 230 सीटों पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्य के पांच करोड़ 60 लाख से अधिक मतदाता 65 हजार पांच सौ से अधिक मतदान केंद्रों पर पहचानपत्र के साथ पहुंचकर मतदान कर सकेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान की प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की है। विधानसभा चुनाव में कुल 2533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2280 पुरुष, 252 महिलाएं और एक अन्य (थर्ड जेंडर) प्रत्याशी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में सभी 230 क्षेत्रों में मतदान के लिए शुक्रवार का दिन निर्धारित है। मतदान सुबह सात बजे प्रारंभ होकर शाम छह बजे तक चलेगा। हालाकि नक्सली प्रभावित बालाघाट, डिंडोरी और मंडला जिले के संबंधित नक्सली क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे प्रारंभ होकर दिन में तीन बजे तक संपन्न करायी जाएगी। कल होने वाले मतदान के पूर्व बुधवार शाम सभी 230 क्षेत्रों में चुनाव प्रचार अभियान की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के साथ ही चुनावी शोरगुल थम गया था।

आकस्मिक सेवाओं के लिए एयर एंबुलेंस व हेलीकॉप्टर की तैनाती

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव के सुचारू संचालन के लिये एक एयर एम्बुलेंस और दो हेलीकॉप्टर आकस्मिक सेवाओं के लिये तैनात किए गए है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि एक एयर एम्बुलेंस मतदान सम्पन्न होने तक जबलपुर में उपलब्ध रहेंगी। इसके बाद यह एयर एम्बुलेंस गोंदिया के लिये रवाना हो जायेगी। इसी प्रकार एक हेलीकॉप्टर मतदान सम्पन्न होने तक बालाघाट में रखा जाएगा एवं एक अन्य हेलीकॉप्टर भोपाल में पूरे समय उपलब्ध रहेगा। श्री राजन ने बताया कि एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर का उपयोग आवश्यकता होने पर किसी भी प्रकार की आकस्मिक सेवाओं के लिये किया जाएगा। विमानन संचालनालय ने कलेक्टर बालाघाट, जबलपुर, भोपाल एवं एयरपोर्ट डायरेक्टर गोंदिया को इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था करने के लिये निर्देशित किया है।

राष्ट्रीय नेताओं ने भी किया धुंआधार प्रचार, दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

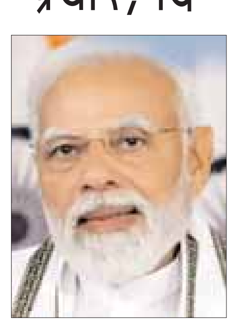
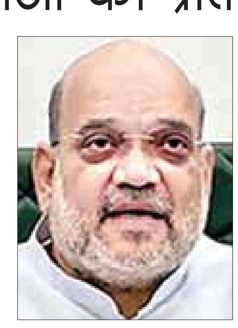

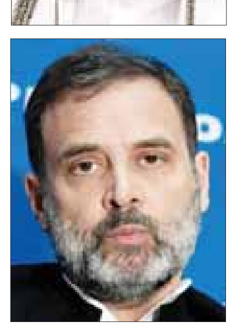

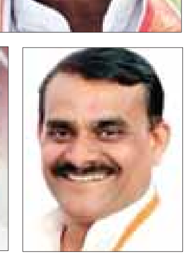

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस–भाजपा व अन्य दलों के राष्ट्रीय नेताओं ने जहां राज्य में धुंआधार प्रचार किया, वहीं प्रदेश नेताओं ने भी लगातार बैठकें और सभाएं की। आखिरी दौर में सभी दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंकी।

लगभग एक पखवाड़े तक चले चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 14, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 21 और अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने चुनावी सभाएं कीं। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले माह से अब तक लगभग 160 चुनावी सभाएं की हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने 55 सभाओं को संबोधित किया। पार्टी के अन्य स्टार प्रचारकों ने भी कई–कई सभाएं की। दूसरी ओर कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और अन्य नेताओं ने भी चुनावी सभाएं कीं। चुनावी समर में बसपा प्रमुख मायावती, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं ने भी राज्य में चुनाव प्रचार किया। इस चुनाव में मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान बुधनी से, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ छिंदवाड़ा से और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर दिमनी से, प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर से और फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला जिले के निवास से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर एक क्षेत्र से तथा चार सांसद, राज्य सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्री और अन्य प्रमुख नेता भी चुनावी दंगल में ताल ठोक रहे हैं। इन सब नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है।

मतदाताओं को वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्प

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान के लिए बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हैं और उन तक मतदाता पर्ची नहीं पहुंची है, वो वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्पों के जरिए भी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, विधानसभा निर्वाचन 2023 में सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की है। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केंद्र का क्रमांक, पता, निर्वाचक नामावली में क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में है, तो मतदान के लिए फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार या पीएसयू या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों या विधायकों या एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड, में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर 17 नवम्बर को मतदान कर सकता है।

कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे पर हमला कर चलाई गोली

भिंड, देशबन्धु। गोहद से कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे पर हमले की घटना सामने आई है। इस घटना में जहां पीड़ित युवक के वाहन में तोड़फोड़ हुई है। वहीं हवा में गोली चलाने का आरोप भी लगा है।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में केशव देसाई गोहद से चुनाव लड़ रहे हैं। बुधवार की देर रात उनके पुत्र राहुल देसाई अपने समर्थक तुकेड़ा निवासी सत्येन्द्र तोमर के साथ विधानसभा के तहत आने वाले ग्राम बनीपुर में जनसम्पर्क करने गए थे। उसी समय अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर लाठी–डंडों से हमला बोल दिया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए, वहीं उनके वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। पीड़ित पक्ष ने शिकायत में उन्हें धमकाने के मकसद से आरोपियों पर हवा में गोली चलाने का आरोप भी लगाया। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें आरोपियों द्वारा जाते जाते जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने इस घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर गोली चली

ग्वालियर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण से राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर गोली चलाने की घटना सामने आई है। घटना को आरोपियों ने उन पर उस समय किया, जब वह विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के बाद घर वापस आ रहे थे कि उनके घर से कुछ ही दूरी पर उन पर गोली दागी गई। यह तो गनीमत रहीं कि गोली उन्हें नहीं लगी।

मालूम हो कि राष्ट्रीय समानता दल ने ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से जीवन कुशवाहा को चुनाव मैदान में उतारा है। बताया गया कि दिन भर चुनाव प्रचार करने के बाद वह बीती रात क्षेत्र में चुनाव प्रचार के बाद अपने घर वापस आ रहे थे कि उसी समय अचानक उनके घर के पास किसी ने उन पर गोली चला दी। घटना के समय उनके पार्टी कार्यकर्ता भोजन कर रहे थे, कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोली चलाई गई जो कि टीनशेड में लगी। गोली किसने और क्यों चलाई, फिलहाल इस बात का पता नहीं चला है। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कारतूस का खोका बरामद कर लिया है। राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी जीवन इस मामले में पुरानी रंजिश की संभावना व्यक्त की है। हालांकि उन्होंने इस बारे में किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

रंजिश को लेकर भिड़े 2 पक्ष, चली गोली

इसके अलावा बहोड़ापुर क्षेत्र में भी गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां पुराने रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़ गए, पहले मारपीट हुई, उसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। गोलीबारी की इस घटना में दोनों ही पक्षों के 2 लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने इस मामले में आननफाने कार्यवाही करते हुए 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

छग में दूसरे चरण का मतदान आज, 958 उम्मीदवार मैदान में

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर कल मतदान होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई है। मतदान को शान्तिपूर्ण सम्पन्न करवाने के लिए सुरक्षा के कड़े बन्दोबस्त किए जा रहे है। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज शाम यहां पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

सागर, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

घृणा और हिंसा का इज़हार करते मोदी

राजस्थान में एक चुनाव प्रचार सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे चुनाव जीतने के लिये किसी भी तरह की भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं और किसी भी हद तक जा सकते हैं। बुधवार को राजस्थान के बायतु (बाड़मेर) में आयोजित सभा में मोदी ने हमेशा की तरह घिसे-पिटे मुद्दों पर वहां अशोक गहलोत के नेतृत्व में चल रही कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने उस कथित 'लाल डायरी' का फिर से हवाला देते हुए मतदाताओं से अपील की कि वोट देने जाएं तो इतनी जोर से भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल का बटन दबाएं मानों उन्हें (कथित भ्रष्टाचारियों को) फांसी दे रहे हों। यह मोदी की विरोधियों के प्रति घृणा व हिंसक प्रवृत्ति दोनों की ही ओर संकेत करता है। यह भाषण मोदी के उन भाषणों की श्रृंखला की ही एक कड़ी माना जा सकता है जिनमें वे लोकतंत्र की उनकी समझ का आभास देते हैं; साथ ही यह भी दर्शा देते हैं कि उन्हें अपने पद की गरिमा और प्रतिष्ठा का बिलकुल ख्याल नहीं है।

उनके इस भाषण में कई बातें बतलाई गयीं। मसलन, कि राजस्थान में बहुत भ्रष्टाचार है, कानून-व्यवस्था इतनी ध्वस्त हो चुकी है कि पिछले पांच साल से राजस्थान के लोग हंगामों, पत्थरबाजी, कर्फ्यू आदि के चलते कोई भी पर्व-त्यौहार शांति से नहीं मना सके हैं। आतंकियों, दबंगों व दंगाइयों के बुलन्द हौसलों का कारण उन्होंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति को बतलाया। फिर, उनके मुताबिक इस राज्य में महिलाएं इतनी असुरक्षित हैं कि रात को घर से निकल नहीं सकतीं, बच्चियां तक निरापद नहीं हैं। मोदी के अनुसार अपराधियों के हौसले इसलिये बुलन्द हैं क्योंकि मुख्यमंत्री ऐसे हैं जो बलात्कार को फर्जी बतला देते हैं। कांग्रेस को हटाना व भाजपा की सरकार को लाना उन्होंने इसलिये ज़रूरी बताया कि ऐसा करने से ही राजस्थान की संस्कृति सुरक्षित रहेगी। उन्होंने यह भी बतलाया कि उनके द्वारा दिल्ली से जो जल जीवन मिशन की राशि भेजी जाती है वह सरकार खा जाती है और इस तरह कांग्रेस सरकार पुण्य के काम में भी पैसे कमाने का व्यवसाय तथा भ्रष्टाचार करती है। इन दिनों मोदी का सबसे प्रिय विषय कथित लाल डायरी है जिसका उल्लेख वे राजस्थान के अपने हर दौरे पर अथवा उसका उल्लेख आने पर करते हैं। इस बार भी लाल डायरी का उल्लेख उनके भाषण में आया ही। उनका दावा था कि कांग्रेसी चाहे लाल डायरी को फर्जी बताते हैं, पर अब उसके पन्ने सामने आ गये हैं। मोदी ने कहा कि इस लाल डायरी के परिप्रेक्ष्य में अब एक भी कांग्रेसी प्रत्याशी नहीं जीतना चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान तक किया कि जब भी कोई कांग्रेसी उनके पास वोट मांगने आये तो उससे लाल डायरी के बारे में पूछा जाना चाहिये। उनके अनुसार 'राजस्थान के बैंक के लॉकरों में लूटा हुआ रुपया और सोना मिल रहा है।' जिस तरह से कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के आलू से सोना बनाने वाले बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता रहा, उसी तर्ज़ पर मोदी ने भी बहुत हल्केपन से कहा कि 'यह सोना आलू से नहीं बना है। वरना कांग्रेसी कह देंगे कि हमने आलू से बनाया है।' ऐसे लॉकर और भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वह पहली कार्रवाई करे। मोदी का भाषण बतलाता है कि उन्हें चुनाव जीतने के लिये न तो भाषायी मर्यादा की चिंता है और न ही तथ्यों के साथ बात करने की आवश्यकता है। वे चुनाव जीतने के लिए हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

राजस्थान में बार-बार लाल डायरी की आधारहीन बात करना लगभग वैसा ही है जिस प्रकार वे छत्तीसगढ़ में आकर भूपेश बघेल की सरकार को बगैर तथ्यों या प्रमाणों के भ्रष्ट कहते हैं। बघेल पर उनका आरोप यह है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं व पार्टी के लिये एटीएम बनाकर रख दिया है। यानी यहां से खूब सा पैसा दिल्ली भेजा जाता है। हालांकि यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियों, खासकर प्रवर्तन निदेशालय व आयकर का मनमाना उपयोग विरोध को दबाने के लिए हुआ है, वह तो सामने है ही, उलटे यहां भाजपा ही भ्रष्टाचार के कई मामले में फंसी हुई दिख रही है। यहां के एक भाजपा प्रत्याशी के कथित वायरल वीडियो में बताया जा रहा है कि जब यहां भाजपा सरकार थी तो यहां से पैसा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, उनकी पत्नी एवं अमित शाह तक जाता था। वैसे राजस्थान में जिस प्रकार से एक ईडी अधिकारी को घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है उससे ईडी की विश्वसनीयता तो घेरे में आई ही है, यह भी पता चल गया है कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल मोदी एवं शाह के इशारों पर सिर्फ विरोधियों को परेशान करने के लिये किया जा रहा है। बघेल पर भी सट्टा खिलाने वाले महादेव एप से 508 करोड़ लेने के आरोप लगाये गये पर पुष्टि एवं जांच के बिना।

इस बीच मध्यप्रदेश की मुरैना सीट पर विधानसभा का चुनाव लड़ रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के पुत्र देवेन्द्र सिंह तोमर के दो वीडियो पर भी मोदी मौन हैं जिनमें वे 500 करोड़ रुपयों के लेन-देन की बात कर रहे हैं। पहले इसे फर्जी बतलाकर बचने की कोशिशें हो रही थीं, लेकिन कनाडा में बैठे उस व्यक्ति ने इसकी पुष्टि कर दी है जो देवेन्द्र सिंह से ये बातें कर रहा है। गहलोत-बघेल पर आरोप लगाने वाले मोदी और शाह के साथ ईडी, सीबीआई, आईटी आदि इस मामले पर एकदम चुप्पी साध लेते हैं।

पटाखे, आस्था और संघ परिवार

राजेंद्र शर्मा

वायु प्रदूषण के खिलाफ हिंदू आस्थाएं किसी प्रकार के कवच या मास्क का काम करने वाली हों और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से हिंदू बचे रह जाने वाले हों! वर्ना सामान्य ज्ञान तो यही कहता है कि हिंदू अगर आबादी का 80 फीसद से ज्यादा हिस्सा हैं, तो कुल मिलाकर वायु प्रदूषण के नुकसान में भी उतना ही ज्यादा उनके हिस्से में आएगा! यह हिंदू आस्था का सवाल हो न हो हिंदू आस्थाओं को आत्मघाती बनाने का मामला जरूर है।

वैसे तो प्रकृति से जुड़ी आपदाओं में से अधिकांश के पीछे किसी न किसी प्रकार से इंसानों की करनियों का हाथ रहता ही है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाएं इसका जाना-माना उदाहरण हैं। फिर भी, आम तौर पर देश भर में और खासतौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को दीवाली की रात से वायु प्रदूषण के जिस संकट को झेलना पड़ रहा है, उसके पीछे जितने प्रत्यक्ष रूप से इंसानों की करनी है, उसका स्तर अलग ही है। वास्तव में इसे आत्मघाती करनी कहा जाए, तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। और जैसे खासतौर पर इसी सच्चाई को रेखांकित करने के लिए, इस बार की दीवाली से दो दिन पहले से, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उससे भी व्यापक दायरे में, अप्रत्याशित बारिश ने वातावरण को असामान्य रूप से साफ कर दिया था। याद रहे कि इससे पहले, करीब हफ्तेभर से इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण 'खतरनाक' स्तर पर बना रहा था, जिस पर अंकुश लगाने की कोशिश में राजधानी दिल्ली समेत इस क्षेत्र की विभिन्न सरकारों ने अनेक आपात कदम उठाए थे, जिनमें निर्माण गतिविधियों पर अंकुश लगाने, वाहनों के धुंए के प्रदूषण को कम करने से लेकर, स्कूलों को बंद करने तक के कदम शामिल थे।

यही नहीं, पिछले कुछ वर्षों की तरह, एक बार फिर पंजाब, हरियाणा आदि में किसानों के पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण का मुद्दा प्रमुखता से चर्चा आया था और सुप्रीम कोर्ट तक ने इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करना जरूरी समझा था। इसी संकट के पराली से जरा भिन्न संदर्भ में, दीवाली के गिर्द आतिशबाजी के सिलसिले में भी सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया था और उसने न सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर लगी पाबंदी को सही और जरूरी ठहराते हुए, इस पाबंदी को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज किया था, बल्कि इसे लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के तकाजों से जोड़ते हुए, हरित-इतर पटाखों पर पाबंदी का देशभर में विस्तार करना भी जरूरी समझा था। इस सब के बीच प्रकृति ने इस क्षेत्र में अचानक बेमौसमी बारिश के रूप में जो उदारता दिखाई थी, उसके बल पर इस बार दीवाली के दिन शाम तक वातावरण असाधारण रूप से साफ था और एक्यूआई सूचकांक, पिछली अनेक दीवालियों की शामों के मुकाबले, वायु प्रदूषण बहुत कम दिखा रहा था। लेकिन तभी तक, जब तक कि आम तौर पटाखे चलना शुरू नहीं हुआ था।

दीवाली पर देर शाम से पटाखे चलने का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां तो खैर उड़ाईं सो उड़ाईं, बारिश के जरिए प्रकृति द्वारा दमघोंटू वातावरण से दिलाई गई राहत की भी धज्जियां उड़ा दीं। नतीजा यह हुआ कि दीवाली की अगली सुबह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण, फिर से बारिश से पहले के 'खतरनाक' स्तर पर ही नहीं पहुंच गया, उस खतरनाक स्तर की भी एकाध सीढ़ी और चढ़ गया। इस क्षेत्र में एक्यूआई औसतन 500 अंक से ऊपर पहुंच गया।

बहरहाल, बात सिर्फ इतनी ही होती तब भी गनीमत थी। इसे अपने हाथों, अपने लिए मुसीबत खड़ी करने की मूर्खता का मामला कहकर, ऐसा करने वालों की नादानी पर रोया जा सकता था। वैसे, इस नादानी पर रोना भी, कुछ कारणों से साधारण रोना भर नहीं होता। एक तो इसलिए कि यह नादानी कोई अनजाने में नहीं की जा रही थी। कम से कम आम तौर पर सभी को इसका कुछ न कुछ अंदाजा जरूर हो चुका है कि गंगा-जमुना के मैदान की, सर्दियों में वातावरण के खराब होने की जो प्राकृतिक समस्या है, उसे दीवाली के गिर्द खतरनाक रूप से बढ़ाने में, जिस तरह मोटर वाहनों के धुंए का और पराली जलाने के धुंए का महत्वपूर्ण योगदान है, उसी तरह समय विशेष पर पटाखों के धुंए का भी महत्वपूर्ण योगदान है। जब वायु प्रदूषण को खतरनाक स्तर से नीचे लाने के लिए दूसरे सभी उपाय आजमाए जा रहे हों या कम से कम उनके बारे में सोचा जा रहा हो, 'खुशी जताने' के लिए पटाखे चलाने से बचे जाने के लिए, सामान्य ज्ञान से ज्यादा की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

इस सिलसिले में यह याद दिलाने की भी जरूरत नहीं होगी कि पटाखे चलाने से बचे जाने की यह मांग कोई अचानक नहीं आ गई थी। इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण के संकट पर चर्चा ने जब से जोर पकड़ा है, तभी से इस समस्या के एक हिस्से के तौर पर पटाखे चलाए जाने को हतोत्साहित करने के विवेक का भी प्रचार-प्रसार हुआ है। यहां तक कि सरकारों द्वारा और उच्चतर अदालतों द्वारा भी पटाखों पर बढ़ते पैमाने पर रोक भी लगाई जाती रही है। इसी सिलसिले की ताजातरीन कड़ी के तौर पर सुप्रीम कोर्ट ने गैर-हरित पटाखों पर पाबंदी को विस्तार कर, पूरे देश पर लागू कर दिया था। और यह विस्तार भी पूरी तरह से विवेकपूर्ण था क्योंकि दीवाली पर 'खुशी से पटाखे' चलाने का रिवाज, तेजी से देश के बड़े हिस्से में फैला है और उसका गंगा-यमुना के मैदानी इलाके के बाहर के अनेक प्रमुख शहरी केंद्रों में भी वायु प्रदूषण का संकट बढ़ाने में काफी योगदान रहा है। यह संयोग ही नहीं है कि इस बार दीवाली की अगली सुबह, दुनिया के दस सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण के मारे महानगरों में, दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकाता भी शामिल हो चुके थे!

तो क्या सब के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हुए भी 'खुशी के पटाखे' चलाने की इस जिद को सिर्फ एक धार्मिक आस्था का और इस धार्मिक आस्था के विवेक के खिलाफ जाने से, इसे सिर्फ धार्मिक अंधविश्वास का मामला माना जा सकता है। हर्गिज नहीं। बेशक, बड़े पैमाने तथा व्यापक स्तर पर पटाखे चलाए जाना, दीवाली से जुड़ा हुआ है, हालांकि खुशी में पटाखे चलाना न तो दीवाली तक सीमित है और न ही ऐसे धर्म से जुड़े त्यौहारों तक ही सीमित है। शादी-विवाह से लेकर, चुनावी जीत और राष्ट्रीय त्यौहारों तक के मौके पर, आतिशबाजी खुशी जताने का एक स्वीकृत साधन रही है। दूसरी ओर, पटाखों के औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के साथ आधुनिक दौर में दीवाली के मौके पर पटाखे चलाना आम जरूर हो गया है, लेकिन गंधक-बारूद के उपयोग से विस्फोटक बनाए जाने का इतिहास, इतना पुराना भी नहीं है कि पटाखों को, दीवाली से जुड़ी धार्मिक आस्था का जरूरी अंग या तत्व माना जा सके। दीवाली से जुड़े अनेक विश्वास, कम से कम सातवीं सदी में चीन से पटाखों के आने से पुराने जरूर होंगे। बेशक, धार्मिक आस्थावान, अपने विश्वासों को आसानी से छोड़ने के लिए तैयार नहीं होता है, इसके लिए उन्हें विवेक की कसौटी पर कसने से बचाता भी है; लेकिन उन्हें अविवेकपूर्ण मानते हुए उनका बचाव शायद ही करता है। उल्टे अविवेकपूर्ण नजर आने की सूरत में धीरे-धीरे किंतु निश्चित रूप से उनका त्याग ही करता है।

लेकिन धार्मिक आस्था के विपरीत, धर्म का लबादा ओढ़कर सामने आने वाली राजनीतिक आस्था या सांप्रदायिकता का आचरण इससे बहुत भिन्न होता है। वह चूंकि धार्मिक आस्थाओं का सांप्रदायिक राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए ही उपयोग करती है, वहां धार्मिक आस्थाओं में काट-छांट तो खूब होती है, इतनी ज्यादा की धार्मिक आस्थाएं ही पहचान में नहीं आएं; लेकिन धर्म की दुहाई की यह राजनीति कथित 'आस्थाओं' में किसी भी तरह से, विवेक प्रवेश नहीं होने देती है। उल्टे, विवेक के विरुद्ध इन कथित आस्थाओं को अपना हथियार ही बनाती है। दीवाली से जोड़कर पटाखों के सवाल पर, संघ परिवार के औपचारिक नेतृत्व को छोड़कर, उसकी तमाम सेनाओं की जो हमलावर नकारात्मक भूमिका रही है, उसे महज धार्मिक आस्था से बहुत भिन्न, इस सांप्रदायिक राजनीति के रूप में ही समझा जा सकता है।

किसी को यह देखकर हैरानी होगी कि सारतः 'हिंदुओं के अपने त्योहार पर पटाखे चलाने के अधिकार' की पैरवी की यह दलील, दीवाली पर 'सुप्रीम कोर्ट की रोक' की धज्जियां उड़ने को, 'नागरिक अवज्ञा आंदोलन' बताकर गौरवान्वित करने पर ही नहीं रुक जाती है, उसे 'हिंदुओं की जीत' बताने की हद तक जाती है। जैसे वायु प्रदूषण के खिलाफ हिंदू आस्थाएं किसी प्रकार के कवच या मास्क का काम करने वाली हों और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से हिंदू बचे रह जाने वाले हों! वर्ना सामान्य ज्ञान तो यही कहता है कि हिंदू अगर आबादी का 80 फीसद से ज्यादा हिस्सा हैं, तो कुल मिलाकर वायु प्रदूषण के नुकसान में भी उतना ही ज्यादा उनके हिस्से में आएगा! यह हिंदू आस्था का सवाल हो न हो हिंदू आस्थाओं को आत्मघाती बनाने का मामला जरूर है। धर्म का लबादा ओढ़कर सामने आने वाली राजनीतिक आस्था सिर्फ इसी मामले में नहीं, हरेक मामले में, जिस धार्मिक आस्था को छूती है, उसे आत्मघाती बनाने का काम जरूर करती है। सियाराम का जय श्रीराम में रूपांतरण इसी का एक और उदाहरण है। सांप्रदायिकता की राजनीति, जिस धर्म की दुहाई देती है, उसमें आस्था रखने वालों को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

परमाणु-विरोधी आन्दोलन और विश्व संगठन तत्काल युद्धविराम के लिए काम करें

■ डॉ. अरुण मित्रा

मौजूदा सदी में सबसे खराब किस्म का संकट है गाजा में मानवीय त्रासदी। लगभग 11000 लोग, जिनमें से 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं, उनमें से 40 प्रतिशत 15 साल से कम उम्र के बच्चे हैं, घनी आबादी वाले क्षेत्र में असंगत आक्रामकता और अभूतपूर्व बमबारी से मारे गये हैं। गाजा में हर 10 मिनट में एक बच्चे की मौत हो रही है। अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों सहित अधिकांश बुनियादी ढांचे मलबे में तब्दील हो गये हैं। इस विनाश से संतुष्ट न होकर इजराइल के हेरिटेज मंत्री अमीचाईएलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी।

हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया है, जो महज एक धोखा है और खुद को चौतरफा आलोचना से बचाने के लिए उठाया गया कदम है। यह मानना नादानी होगी कि मंत्री का बयान इजराइली सरकार के आंतरिक हलकों में बिना किसी चर्चा के आया है। न तो प्रधानमंत्री नेतन्याहू और न ही किसी अन्य अधिकारी ने इज़राइल के पास परमाणु हथियार होने से इनकार किया है। इससे पहले की अटकलों की पुष्टि हो गई है कि इजराइल एक परमाणु हथियार संपन्न देश है। गाजा पर इजराइली आक्रमण, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह 7अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद प्रेरित हुआ था, वस्तुतः फिलिस्तीनियों के जातीय सफाये में बदल गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका झूठे बहाने और अप्रमाणित सुबूतों के आधार पर इराक पर हमला करने में सबसे आगे था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार थे परन्तु आज उसने इजरायली मंत्री के बयान पर चुप्पी साध ली है। अमेरिका हमेशा ईरान पर परमाणु हथियार रखने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन अब जब इजराइली मंत्री ने खुलेआम परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी दी है, तो अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों की चुप्पी परेशानकुन है।

संयुक्त राज्य अमेरिका झूठे बहाने और अप्रमाणित सुबूतों के आधार पर इराक पर हमला करने में सबसे आगे था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार थे परन्तु आज उसने इजरायली मंत्री के बयान पर चुप्पी साध ली है। अमेरिका हमेशा ईरान पर परमाणु हथियार रखने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन अब जब इजराइली मंत्री ने खुलेआम परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी दी है, तो अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों की चुप्पी परेशानकुन है। आईएईए ने भी एक शब्द नहीं कहा है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जिसके पास नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराधों जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार है, अमेरिका के स्पष्ट समर्थन के साथ नेतन्याहू सरकार द्वारा हजारों बच्चों का नरसंहार देखने के बाद भी चुप है।

यह दुख की बात है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तत्काल युद्धविराम के जॉर्डन के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। भारत का मतदान से अनुपस्थित रहना इजराइली सरकार द्वारा हत्याओं को उचित ठहराने के समान है। इजराइल के प्रधानमंत्री पहले ही भारत के रुख की तारीफ कर चुके हैं। 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किये गये हमले को उचित नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने बताया है कि 'इज़राइल पर हमास के हमले शून्य में नहीं हुए'। इज़राइल और अमेरिका ने एक कहानी बनाई है कि इज़राइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, जबकि इतिहास भरा पड़ा है ऐसी घटनाओं से जब इज़राइल ने न केवल फिलिस्तीनी भूमि पर कब्ज़ा कर लिया है, बल्कि उन्हें बाहर धकेल दिया है और उन्हें राज्यविहीन नागरिक बना दिया है और इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय कानून और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के दो राष्ट्र सिद्धांत को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है, जैसा कि 1967 में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत रूस के हस्तक्षेप से इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच अपनाया गया था। अपने अपराधों को सही ठहराने के लिए हमलावरों द्वारा झूठी कहानियां गढ़ी जाती हैं। वे किसी न किसी बहाने से विपरीत का प्रदर्शन करते हैं। नाज़ियों ने जर्मनी की बुराइयों के लिए यहूदियों को दोषी ठहराया। उन्होंने यह मिथक फैलाया कि जर्मनी प्रथम विश्व युद्ध में युद्ध के मैदान पर नहीं, बल्कि घरेलू मोर्चे पर विश्वासघात के कारण हारा था। यहूदियों, सोशल डेमोक्रेट्स और कम्युनिस्टों को ज़िम्मेदार ठहराया गया। युद्ध में यहूदियों की भूमिका के बारे में पूर्वाग्रह झूठे थे। एक लाख से अधिक जर्मन और ऑस्ट्रियाई यहूदियों ने अपनी पितृभूमि के लिए लड़ाई लड़ी थी। हिटलर ने उपरोक्त तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया और सामूहिक उन्माद पैदा करने और उनमें से 60 लाख से अधिक को खत्म करने के लिए यहूदियों के खिलाफ झूठी कहानी का इस्तेमाल किया।

ऐसे कट्टरपंथी अपनी श्रेष्ठ जाति होने की बात भी करते हैं और सबको अपने अधीन करने के अधिकार को उचित ठहराते हैं, यहां तक कि 'निचले लोगों' को खत्म भी कर देते हैं। चर्चिल के भी ऐसे ही विचार थे। 1937 में, उन्होंने फ़िलिस्तीन रॉयल कमीशन से कहा: 'उदाहरण के लिए, मैं यह स्वीकार नहीं करता कि अमेरिका के रेड इंडियंस या ऑस्ट्रेलिया के काले लोगों के साथ बहुत बड़ा गलत किया गया है। मैं यह स्वीकार नहीं करता कि इनके साथ कोई गलत काम किया गया है।' लोग इस तथ्य से सहमत हैं कि एक मजबूत जाति, एक उच्च श्रेणी की जाति, इसे इस तरह से कहें तो एक अधिक सांसारिक बुद्धिमान जाति ने आकर उनकी जगह ले ली है।'

1943 में, भारत, जो उस समय भी ब्रिटिश आधिपत्य में था, ने बंगाल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विनाशकारी अकाल का अनुभव किया। माना जाता है कि कम से कम तीस लाख लोग मारे गये थे। चर्चिल ने अकाल के लिए भारतीयों को दोषी ठहराया और दावा किया कि वे 'खरगोशों की तरह प्रजनन करते हैं'। हालांकि सच्चाई यह है कि बंगाल के लोगों के लिए जो भोजन उपलब्ध था उसे बर्मा में ब्रिटिश सेना को भेज दिया गया था। 1994 में रवांडा में हुतु शासक जनजातियों ने तुत्सी अल्पसंख्यक के खिलाफ नफरत फैलाई, जिससे केवल 100 दिनों में आठ लाख लोग मारे गये।

1947 में विभाजन के दौरान भारत को एक गंभीर मानवीय संकट का सामना करना पड़ा जिसमें कट्टरपंथियों द्वारा 25 लाख हिंदू, मुस्लिम और सिखों को मार डाला गया। दुर्भाग्य से अल्पसंख्यक विरोधी बयानबाजी वर्तमान में यहां फैल रहा है क्योंकि हम देख रहे हैं कि केंद्र में सत्तारूढ़ व्यवस्था के खुले समर्थन से हिंदू कट्टरपंथियों द्वारा अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को दानव की तरह पेश या वर्णित किया जा रहा है।

हमें समझना होगा कि ज़ायोनीवाद को यहूदियों से, नाज़ीवाद को जर्मनों से और हिंदुत्व (हिंदू कट्टरवाद) को हिंदुओं से अलग करना होगा। सभी मुसलमानों को आतंकवादी नहीं माना जा सकता। ऐसी विचारधारा विनाशकारी हो सकती है और केवल युद्ध फैलाने वालों के लिए उपयोगी हो सकती है। इसलिए इजराइली विरासत मंत्री के बयान को गंभीरता से लेना होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें दुनिया की प्रतिक्रिया देखने के लिए बोलने के लिए कहा गया था।

अमेरिका सैन्य औद्योगिक परिसर के निर्माण और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध पैदा करके अपने आर्थिक संकट को हल करने की कोशिश कर रहा है। नाटो पहले से ही एशिया के दरवाजे पर है। क्वैड और एयूसीकेयूएस जैसे संगठन एशिया प्रशांत क्षेत्र में शांति के लिए खतरा हैं।

लोगों की आवाज शांति के लिए है। तत्काल युद्ध विराम के लिए दुनिया भर में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। तत्काल युद्धविराम के लिए दक्षिण अफ्रीका की शांति योजनाएं बहुत उपयुक्त हैं और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इस समय परमाणु-विरोधी आंदोलन को और अधिक मुखर होना होगा।

पावन प्रसंग

कठिन समय का सामना कैसे करें

यह जीवन एक अद्भुत ईश्वर प्रदत्त उपहार है, जो परिस्थितियों के जटिल चक्रव्यूह से होकर आगे बढ़ता रहता है, जिसमें कभी खुशी तो कभी गम, कभी हार तो कभी जीत, कभी उतार तो कभी चढ़ाव आते रहते हैं। घटनाक्रमों के इन सिलसिलों के बीच कठिन एवं विकट पल भी आते हैं, जब जीवन दूभर हो जाता है। यदि व्यक्ति ऐसे समय में नहीं संभले तो उसको टूटते-बिखरते देर नहीं लगती। लेकिन क्या सही समझ व धैर्य के साथ इसका सामना किया जाए, तो यही विषम पल व्यक्ति के उत्कर्ष का माध्यम बन जाते हैं और जीवन के उच्चतर सत्य की ओर ले जाते हैं। जीवन के विकट पल हमारे लिए उत्थान व उत्कर्ष का अवसर बने, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। जिसमें सर्वप्रथम है परिस्थिति को स्वीकार करना। जो भी विकट घटना या जीवन के कठिन पल हैं, उन्हें स्वीकार करें। इसे ईश्वर का दिया हुआ उपहार मानें या अपने कर्मों से जुड़ा गहन रहस्य समझें, जो जीवन की नई समझ देने के लिए आया है। इस समझ व स्वीकृति के साथ ही संघर्ष की नई ऊर्जा का संचार होता है। विकट परिस्थिति को अपनी नियति का एक हिस्सा मानते ही चुनौती के रूप में आभासित पल आगे बढ़ने के अवसर बन जाते हैं। इन कठिन पलों में अपनों का संग-साथ महत्वपूर्ण भूमिका निबाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अपने परिवारजनों, मित्रों व शुभचिंतकों का संग इन पलों से उबरने में निर्णायक भूमिका निभाता है। इनसे प्राप्त भावनात्मक सिंचन जीवन की कली को मुरझाने नहीं देता, इनका सहारा टूटने बिखरने के कगार पर खड़े अस्तित्व को संभाले रहता है। लेकिन दूसरों के सहारे ही जीवन की नैया पार होगी, ऐसी भी गलतफहमी नहीं पाली जा सकती। जीवन का सामना अंततः अपने दमखम पर ही करना होता है और दूसरों के साथ की अपनी सीमा रहती है।

इसके लिए स्वयं को समय देना अभीष्ट हो जाता है। कठिन समय में जीवन के बिखरने व टूटने का खतरा रहता है, ऐसे में अपने तन-मन व आहार-विहार, शारीरिक सक्रियता, विश्राम एवं नींद का सहारा लें। शरीर के साथ मन का श्रेष्ठ नियोजन करें। अपने कर्तव्य कर्मों में निमग्न रहें। ये सब अनावश्यक तनाव-अवसाद से बचाए रखते हैं। नियमित कागज पर अपने मनोभावों को लिखने का अभ्यास करें। इनके साथ मन का गुबार बाहर निकलता है तथा चित्त का बोझ हल्का होता है और आप बेहतर अनुभव करते हैं। प्रकृति की गोद में कुछ समय अवश्य बिताएं, जो मन की शांति स्थिरता के लिए संजीवनी का काम करता है साथ ही जीवन के अर्थ व उद्देश्य को तलाशें, जो व्यक्ति को जीवन की गहराइयों में प्रतिष्ठित करता है और एक सार्थकता की अनुभूति के साथ मनोबल व आत्मबल के अनुदान दे जाता है। इसके लिए नियमित रूप से आत्मनिरीक्षण से लेकर आत्मसुधार एवं निर्माण का न्यूनतम कार्यक्रम निर्धारित करें। दैनिक क्रियाकलापों में अपनी रुचियों को स्थान दें।

ये जीवन में एक नया रस व रंग घोलने का काम करते हैं। नित्य इनके लिए कुछ समय अवश्य दें, ये जीवन में एक नई ताजगी व उल्लास भरने वाले उपक्रम साबित होंगे। इलके साथ स्वयं को सतत प्रेरित करते रहें। श्रेष्ठ पुस्तकों को पढ़ें व प्रेरक लोगों की संगत तलाशें। एक समय एक कदम उठाएं तथा जीवन की छोटी-छोटी विजय को हासिल करते चलें। ये जीवन के प्रति आशा व उत्साह से लबरेज रखने का माध्यम बनेंगे।

जीवन को अत्यधिक गंभीरता से न लें तथा स्वयं के प्रति उदारता का भाव रखें। साथ ही दूसरों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखें। साथ ही दूसरों को सरस- सुखद बनाए रखने में सहायक बनते हैं साथ ही कठिन दौर में कुछ बातों को याद रखें। आप पहले भी ऐसी व इससे भी कठिन परिस्थितियों को पार कर चुके हैं और आप पुनः इससे बाहर निकल जाएंगे।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

पुरुष संवेदनशीलता के बिना महिला सशक्तिकरण अधूरा

मान लीजिए कि किसी पिछली सदी का कोई व्यक्ति आज हमारे समय में आता है। जब वे महिलाओं को विमान, कार, बस आदि चलाते हुए देखेंगे तो उन्हें कैसा झटका लगेगा। उनकी भ्रम की स्थिति की कल्पना करें जब उन्हें पता चलता है कि भारत में एक तिहाई गांवों का नेतृत्व महिला सरपंचों द्वारा किया जाता है, जबकि पुरुष घर पर बूढ़े माता-पिता या अन्य घरेलू कामों की देखभाल कर सकते हैं। आज हमारे लिए यह सब रोजमर्रा की बात लग सकती है, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जिसके पास लिंग-आधारित बहुत कठोर और सख्त विचार हैं, लिंग-आधारित मानदंडों में रहते हैं और विश्वास करते हैं और समाज को पितृसत्ता के चश्मे से देखते हैं, महिलाओं को अपनी शादियों में दखल देने और अन्य लिंगों के प्रति बढ़ती स्वीकार्यता से उनको अधिक झटका लगेगा। लैंगिक भूमिकाएं और अपेक्षाएं सदियों से समाज में व्याप्त हैं। लड़कियों से आज्ञाकारी, विनम्र और पोषण करने वाली होने की उम्मीद की जाती है, जबकि लड़कों से मजबूत, दृढ़ और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद की जाती है। ये अपेक्षाएं अक्सर प्रतिबंधों और मांगों के साथ आती हैं जो दोनों लिंगों के लिए समान रूप से हानिकारक हो सकती हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि पितृसत्ता और लिंग-आधारित अलगाव आज भी बहुत प्रचलित है, बल्कि मुद्दा यह भी है कि यह जानने के बावजूद यह लगातार फल-फूल रहा है। यदि यह एक महिला को अनुचित और अतार्किक प्रतिबंधों से विकलांग बनाता है, तो यह पुरुष को अत्यधिक और अप्राकृतिक अपेक्षाओं से विकलांग बनाता है।

आज भी लड़कियों को परिवार में आर्थिक और सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाता है। एक कारण के रूप में, एक युवा लड़की के सपनों को अक्सर छोटा कर दिया जाता है, और उसे कम उम्र में ही दूसरे परिवार पर बोझ के रूप में निपटा दिया जाता है। यह सिर्फ विकासशील या गरीब देशों की घटना नहीं है, बल्कि अच्छे मानव सूचकांक वाले विकसित देशों में भी बाल विवाह में वृद्धि देखी जा रही है। जब एक युवा लड़की, जिसके पास बच्चों को जन्म देने और घरेलू काम करने के अलावा जीवन में कोई संभावना नहीं होती, की शादी एक परिवार में कर दी जाती है, तो वहां भी उसे बोझ के रूप में या सबसे खराब स्थिति में पति की संपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में, जिन महिलाओं के पास किसी भी आर्थिक एजेंसी का अभाव होता है। वे घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, वैवाहिक बलात्कार, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों आदि का शिकार बन जाती हैं। महिलाओं की भूमिका को व्यवस्थित रूप से घर की चार दीवारों तक सीमित कर दिया गया है और समाज में उनकी जो भी भूमिका हो सकती थी, उसे विनम्रता के नाम पर छीन लिया गया है। महिलाओं की शिक्षा रोक दी गई है और उन्हें अच्छे धार्मिक प्रथाओं के नाम पर दासता का जीवन जीने के लिए मजबूर किया जाता है। पितृसत्ता का सार हमारे दिमाग में इस तरह अंतर्निहित हो गया है कि हमें अक्सर इसका एहसास भी नहीं होता है कि हम इसे कब और कैसे व्यवहार में लाते हैं। प्रतिबंधों का लड़कियों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है। जब लड़कियों को लगातार बताया जाता है कि वे क्या नहीं कर सकती हैं या उन्हें क्या नहीं करना चाहिए, तो वे यह मानने लगती हैं कि वे अपने लक्ष्य हासिल करने में सक्षम नहीं हैं। इससे महत्वाकांक्षा की कमी और जोखिम लेने का डर पैदा हो सकता है। वह एक अलग कैरियर मार्ग चुन सकती है जिसके बारे में वह भावुक नहीं है। इसके अलावा, लड़कियों पर लगाए गए प्रतिबंध उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकते हैं। वे अपने ऊपर लगाई गई अपेक्षाओं के कारण फंसा हुआ और घुटन महसूस कर सकते हैं, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है।

-प्रियंका सौरभ

विस चुनाव के लिए मतदान आज, सभी दल हुए रवाना

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराने के लिए लाल परेड और एमवीएम मैदान से सभी मतदान दल गुरुवार को मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले सभी को मतदान कराने के लिए सामग्री दी गई।

एडीएम प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि मतदान दल सुबह 6 बजे से सामग्री लेने लाल परेड और एमवीएम मैदान पहुंच गए थे। सामग्री लेने के बाद सुबह 9 बजे से दल रवाना होना शुरू हुए और दोपहर तक लगभग सभी दल रवाना हो गए थे। इसके पूर्व मतदान दलों को सामग्री देने के लिए दोनों ही मैदान पर विधानसभा क्षेत्र वार व्यवस्था की गई थी। ताकि मतदान दल आसानी से सामग्री की जांच कर ले सके। 7 विधानसभा सीटों के कुल 70 काउंटर बनाए गए थे। वहीं, कुल 2049 मतदान केन्द्रों जितनी ही टेबल भी लगाई गई ।सबसे ज्यादा 13 काउंटर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए थे। यहां मतदान दल भी सबसे ज्यादा 373 हैं। हुजूर में 12, नरेला में 11, बैरसिया-भोपाल उत्तर में 9-9, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और भोपाल मध्य में 8-8 काउंटर बनाए गए थे।

मतदान दलों के लौटने पर आज शाम से मार्ग परिवर्तित रहेंगे

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान के बाद विभिन्न क्षेत्रों से मतदान दल मतदान पेटी के साथ वापस लालपरेड मैदान में आएंगे। इस वजह से लालपरेड मैदान के आसपास वाले मार्गों पर यातायात का दबाव रहेगा। ऐसे में जनसुविधा के लिए यातायात पुलिस द्वारा लालपरेड के आसपास के कुछ मार्ग परिवर्तित किए हैं। यह व्यवस्था शुक्रवार शाम चार बजे से सभी मतदान दलों के वापस लौटने तक जारी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम चार बजे से एमपी नगर तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी होकर कंट्रोल रूम तिराहे की ओर जाने वाला सामान्य यातायात (जीप, कार) डीबी सिटी तिराहे से मैदा मिल, जिन्सी धर्मकांटा होकर पुराने भोपाल की ओर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे। इसी तरह से पुलिस मुख्यालय तिराहे से पुराना पुलिस कंट्रोल रूम होकर गांधी पार्क तिराहा, रोशनपुरा की ओर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह पुराना मछलीघर तिराहे से गांधीपार्क तिराहे की ओर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रोशनपुरा से भारत टाकीज की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू तिराहा, लिली टाकीज होते हुये भारत टाकीज की ओर जा सकेंगे। वहीं टीटीनगर से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें अपैक्स बैंक, लिंक रोड नंबर-एक से होते हुये बोर्ड आफिस चौराहा, मैंदा मिल, जिंसी धर्मकांटा, ऐशबाग फाटक से होकर भारत टाकीज होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगी । इसी तरह भारत टाकीज से रोशनपुरा की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन लिली टाकीज पीएचक्यू तिराहा, खटलापुरा, मछलीघर, बाणगंगा, होते हुये रोशनपुरा की ओर जावेंगे। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन से टीटीनगर, न्यू मार्केट की ओर आने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें भारत टाकीज से होते हुये ऐशबाग फाटक, पुल बोगदा, धर्मकांटा, मैदा मिल, बोर्ड आफिस चौराहे से होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगी।

चुनाव में लगी 2 सौ लाल बसें, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में जिले में मतदान प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक लाने ले जाने के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) की करीब 2 सौ लाल बसों का अधिग्रहण किया गया है। इसके चलते जिन मार्गों पर आम दिनों में 15 से 20 बसें दौड़ती हैं, वहां गुरुवार को सिर्फ 5 से 7 बसें ही चली। ऐसी ही स्थिति में यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। ऐसी स्थिति शुक्रवार को भी रहेगी।

लाल बसों का परिचालन कम होने से निजी गाड़ियों में काफी ज्यादा भीड़ रही

राजधानी में लाल बसों में सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि जहां अन्य दिनों में 2 से 5 मिनट में बस मिल जाती थी। वहीं आज आधे से एक घंटा तक बस का इंतजार करना पड़ रहा है। बसों का परिचालन कम होने से टैक्सी, ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य निजी वाहन ज्यादा किराया ले रहे हैं। यात्री मोहन कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्हें बैरागढ़ से कटारा हिल्स जाना था। इसके लिए बस बोर्ड ऑफिस से बदलते हैं, लेकिन इस मार्ग की बस बंद होने के कारण परेशानी हो रही है। आधे रास्ते से दूसरी बस में आए। एमपी नगर चौराहा पर फिर से बस का इंतजार करना पड़ा। बस नहीं चलने से रुपए और टाइम दोनों ही ज्यादा लग रहा है।

वहीं एक बस के परिचालक विद्याकांत त्रिपाठी ने बताया कि मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक लाने ले जाने के लिए 2 सौ से अधिक बसों की ड्यूटी लगाई गई, जबकि कुल बसों की संख्या करीब 350 है। इसके चलते हर मार्ग पर कम बसें चल रही हैं। ऑटो वाले मनमाना किराया वसूल रहे हैं। शुक्रवार को मतदान के दिन भी बसों का परिचालन कम रहेगा।

इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध मौत

भोपाल, देशबन्धु। टीटी नगर के इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया गया है कि छज्ञत्रा को उसकी मां अस्पताल लेकर पहुंची थी, अस्पताल से सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। लेकिन निरीक्षण में कोई तथ्य हाथ नहीं लगे है, जिससे की मौत के कारण स्पष्ट हो सके। हालांकि छात्रा के गले पर फंदे के निशान मिले थे, लेकिन घर में फांसी लगाने जैसे स्थितियां नजर नहीं आई। ऐसे में पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा है और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस ने बताया कि अंजली कांप्लेक्स टीटी नगर निवासी दर्शिता श्रीवास्तव उम्र 21 वर्ष फैशन डिजाइनिंग में इंजीनियरिंग कर रही थी। इसके अलावा घर खर्च चलाने वह निजी नौकरी भी करती थी। बुधवार सुबह करीब दस बजे के आसपास मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची, वहां उन्होंने चिकित्सकों को बताया कि बेटी बेहोश हो गई थी। चिकित्सकों ने जांच की तो पता चला कि दर्शिता की मौत हो चुकी है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को देखने पर दर्शिता के गले पर फंदे के निशान मिले थे। इससे प्रतीत हो रहा था कि उसने फांसी लगाई या फिर गले में रस्सी से रगड़ लगी है। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार शाम को रिश्तेदार भोपाल नहीं पहुंच सके थे। लिहाजा गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है मामला संदिग्ध लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

माता-पिता का हो चुका है तलाक

बताया गया है कि दर्शिता के माता-पिता का हो चुका तलाक है। परिवार में मां के अलावा बड़ा भाई सविनय श्रीवास्तव है। सविनय अपनी दादी के पास ललिता नगर में रहता है। दर्शिता मां के साथ वह रहती थी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सविनय परिवार से मतलब नहीं रखता था। उसे घटना की जानकारी मिली तभी वह अस्पताल पहुंचा था।

बीएमएचआरसी में पीआरएस स्थापित

आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था सुधरी

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल मेमोरियल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए दी जाने वाली आक्सीजन सप्लाई व्यवस्था सुदृढ़ कर दी गई है। मरीजों को उचित प्रेशर से आक्सीजन उपलब्ध करने के लिए आक्सीजन स्टोरेज टैंक के पास प्रेशर रेग्युलेटरी रेगुलेटरी सिस्टम (पीआरएस) लगाया गया है। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डा मनीषा श्रीवास्तव ने गुरूवार को पीआरएस सिस्टम को मरीजों को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि अस्पताल में सभी बिस्तरों पर जल्द ही आक्सीजन उपलब्ध करा दी जाएगी।

डा मनीषा ने बताया कि कोरोना काल के दौरान कई अस्पतालों में आक्सीजन की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई थी। इस दौरान अस्पतालों के सामने यह समस्या उभरकर आई कि पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होने के बावजूद यह उचित दबाव से मरीजों तक नहीं पहुंच पा रही थी। इससे मरीजों को काफी समस्या उत्पन्न हुई थी। हालांकि बीएमएचआरसी में वैकल्पिक व्यवस्था होने से इस तरह की दिक्कत नहीं हुई थी। लेकिन भविष्य में उचित दबाव बनाए रखने के लिए पीआरएस सिस्टम को लाया गया है। बीएमएचआरसी के आक्सीजन स्टोरेज सिस्टम के साथ इसे स्थापित कर दिया गया है। इस सिस्टम में दो रेगुलेटर होंगे। अगर कभी एक रेगुलेटर काम करना बंद कर देता है, तो दूसरा अपने आप काम करना शुरू कर देगा।

बीएमचआरसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डा अनुराग यादव ने बताया कि अभी अस्पताल के ढाई सौ से ज़्यादा बिस्तरों पर आक्सीजन सप्लाई उपलब्ध है। जल्द ही सभी साढ़े 3 सौ बिस्तरों पर आक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध करा दी जाएगी। बीएमएचआरसी के मैनिफोल्ड विभाग के प्रभारी डा गौरव आचार्य ने बताया कि बीएमएचआरसी के आक्सीजन भंडारण टैंक की क्षमता 10 किलो लीटर है। भविष्य में बीएमएचआरसी का विस्तार होने या बिस्तरों की संख्या बढ़ने पर भी मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी और दबाव की भी कोई समस्या नहीं आएगी।

ठंड ने पकड़ा जोर, पचमढ़ी से भी ठंडा रहा ग्वालियर

भोपाल, देशबन्धु। *उत्तर भारत की तरफ से आ रही सर्द हवाओं ने पूरे प्रदेश में सिहरन और बढ़ा दी है। इसी क्रम में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात प्रदेश के 17 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। सबसे कम 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया, जबकि पर्यटन स्थल पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि राजधानी भोपाल में रात का तापमान दूसरे दिन भी 15 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दिनों उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई थी। साथ ही मैदान क्षेत्रों में वर्षा भी हुई थी। इस वजह से वहां का वातावरण ठंडा है। वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी होने से पूरे मध्य प्रदेश में दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने के आसार हैं। इस दौरान रात के तापमान में कुछ और गिरावट हो सकती है। उसके बाद एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। उसके बाद हवाओं का रुख बदलने से तापमान में धीरे-धीरे कुछ बढ़ोतरी होने के भी आसार हैं।*

मंत्रालय में कर्मचारी संघ के चुनाव की तैयारी

अब नए नाम से काम करेगा मंत्रालय संघ, 3 माह में कराए जाएंगे चुनाव

भोपाल, देशबन्धु। मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों का नया संगठन (मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ) अस्तित्व में आ गया है। पंजीयक फर्म्स एंड सोसायटी ने संगठन का पंजीयन किया है। इसके साथ ही संगठन के चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। पंजीयन की शर्तों के मुताबिक संगठन को पंजीयन की तारीख से तीन माह के अंदर चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी है। इसलिए संगठन से जुड़े कर्मचारी नेताओं ने सदस्यता प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

दो धड़ों के झगड़े के चलते मध्य प्रदेश सचिवालयीन कर्मचारी संघ का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। इस संगठन का पंजीयन 1969 में हुआ था। इस संघ के पूर्व अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि संगठन का पंजीयन खत्म होने के बाद से स्थिति बिगड़ती गई। उनकी मांगों-समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है। छोटी-छोटी बातों पर निलंबन किया जा रहा है। कर्मचारी प्रताड़ित हो रहे थे। इसलिए नया संघ बनाया गया है।

संघ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल कहते हैं कि विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के तुरंत बाद नए संगठन के लिए विधिवत निर्वाचन कराएंगे और नवनिर्वाचित कार्यकारिणी नई सरकार के सामने मंत्रालयीन कर्मचारियों की समस्याएं रखकर उनका निराकरण कराएगी। पटेल कहते हैं कि कर्मचारियों को सदस्यता की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कह दिया है। उल्लेखनीय है कि सहायक पंजीयक भोपाल-नर्मदापुरम संभाग ने 26 दिसंबर 2022 को मध्य प्रदेश सचिवालयीन कर्मचारी संघ का पंजीयन निरस्त कर दिया था। इस आदेश के विरुद्ध की गई अपील भी पंजीयक फर्म्स एवं संस्थाएं मध्य प्रदेश ने 21 अगस्त 2023 को खारिज कर दी थी।

एटीएम कार्ड बदलकर बुजुर्ग को लगाई एक लाख रुपए की चपत

पुलिस ने 15 दिन बाद दर्ज की एफआइआर

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के पिपलानी इलाके में वृद्ध के खाते से एक युवक ने एक लाख रुपये निकालकर धोखाधड़ी कर दी। करीब 15 दिन थाने के चक्कर लगवाने के बाद पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर ली है। फिलहाल आरोपी को कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पुलिस के मुताबिक पिपलानी निवासी 65 वर्षीय राजधर सिंह बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हैं। 31 अक्टूबर को वह पिपलानी पेट्रोल पंप के पास स्थित एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे थे। इस दौरान उनके पीछे एक युवक खड़ा था। राजधर सिंह के कई बार के प्रयास करने के बाद भी रुपये नहीं निकले तो पीछे खड़े युवक ने उनकी मदद के बहाने का उनका एटीएम लिया और प्रयास किया, लेकिन वह भी कामयाब नहीं हो पाया। इसके बाद राजधर घर चले गए। अगले दिन उनके मोबाइल पर बैंक की ओर से करीब एक लाख रुपये निकाले जाने के पांच संदेश आए। वह बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके एटीएम कार्ड से रुपये निकाले गए हैं। जब उन्होंने अपना एटीएम कार्ड देखा तो वह उनका नहीं था।

पुलिस जांच में सामने आया कि एटीएम पर उनके पीछे जो युवक खड़ा हुआ था, उसने मदद करने के बहाने कार्ड बदल लिया था। बैंक से जानकारी एकित्रत करने की भागदौड़ करते हुए 15 दिन बाद उनकी शिकायत पर एफआइआर दर्ज हो सकी।

युवक ने मामा के घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पांच दिन पहले ही रहने आया था

भोपाल, देशबन्धु। बजरिया इलाके में एक युवक ने मामा के घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से कोई पत्र नहीं मिलने के कारण आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और जांच शुरू कर दी गई है। बजरिया पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय प्रकाश रैकवार सांई कृष्ण कॉलोनी में रहता था। वह ऑटो चालक था। पिछले पांच दिनों से वह विजय नगर में अपने मामा के घर पर था। उसने मामा के घर के एक कमरे में ही प्रकाश ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना किया। पुलिस को मौके से कोई पत्र नहीं मिला है जिसके कारण खुदकुशी की वजह सामने नहीं आ सकी है। शुरूआती जांच में पता चला है कि वह नशा करने का आदी था। फिलहाल पुलिस मर्ग दर्ज कर विवेचना कर रही है।

असमंजस बाबू नाटक का मंचन 19 को

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल की प्रतिष्ठित रंग संस्थाओं में शामिल कारवां 19 नवंबर की शाम पौने सात बजे शहीद भवन में नाटक च्असमंजस बाबूज् का मंचन करेगी। सुप्रसिद्ध कहानीकार सत्यजीत रे की कहानी पर आधारित इस नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक नज़ीर कुरैशी ने किया है। वहीं इसका नाट्य रूपांतरण अख्तर अली ने किया है। असमंजस बाबूज् एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो अपने आप को सहज और दूसरों को गलत समझता है। वह हमेशा असमंजस में रहता है कि यह काम करूं या न करूं। नाटक में असमंजस बाबू का किरदार वरिष्ठ रंगकर्मी उबेदुल्ला खान निभा रहे हैं और प्रकाश परिकल्पना ब्रजेश शुक्ला च्अनयज्ञ की है। इस एकल प्रस्तुति में विख्यात कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं का भी खूबसूरती से प्रयोग किया गया है। असमंजस बाबू के बहाने लेखक समाज में फैली बुराइयों पर भी चोट करता है।

गिरदावरी के लिए किसानों के पंजीयन और सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित

भोपाल, देशबन्धु। जिला आपूर्ति नियंत्रक सुश्री मीना मालाकार ने बताया कि वर्तमान में गिरदावरी में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण शासन द्वारा किसान पंजीयन एवं सत्यापन की व्यवस्था निर्धारित की गई है। पंजीयन में किसान का विवरण समग्र पोर्टल एवं विगत वर्ष के पंजीयन डाटाबेस से तथा किसान द्वारा धारित भूमि रकबा एवं खसरे की जानकारी भू-अभिलेख के डाटाबेस से प्राप्त की जाएगी।

सुश्री मालाकार ने बताया कि पंजीयन में किसान का विवरण, रकबे एवं बोई गई फसल एवं उसके रकबे की जानकारी के साथ आवेदन कृषक द्वारा पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें फसल एवं उसके रकबे की जानकारी के साथ आवेदन कृषक द्वारा पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें फसल का प्रकार एवं बोए गए रकबे की जानकारी किसान द्वारा स्वयं उपलब्ध कराई जाएगी। उपार्जन एजेंसी द्वारा पंजीयन केन्द्रों पर आवेदन फार्म पर्याप्त मात्रा में में उपलब्ध कराए जाएगी। कृषक द्वारा आवेदन पत्र में उल्लेखित फसल एवं बोए गए रकबा की प्रविष्टि ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन केन्द्र के आपरेटर द्वारा की जाकर पंजीयन कराया जाए। उन्होंने बताया कि पंजीयन में दर्ज फसल एवं रकबे का मिलान किसान के विगत वर्ष खरीफ में कराए गए पंजीयन में दर्ज रकबे तथा फसल से मिलान का कार्य एनआसईसी द्वारा डाटाबेस के आधार पर किया जाएगा। इस प्रकार, डाटा के मिलान के आधार पर निम्नानुसार कार्यवाही की जाए। जिन किसानों का डाटा का मिलान 90 प्रतिशत तक होगा उनको धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु स्लॉट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मिसमैच डाटा का मिलान उपलब्ध कराए गए फसल के सेटेलाईट इमेज से किया जाएगा। इसमें भी 90 प्रतिशत तक मिलान होन पर उनको धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु स्लाट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शेष मिसमैच डाटा का राजस्व एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा मौके पर फसल का सत्यापन किया जाएगा एवं इसकी प्रविष्टि की सुविधा ई-उपार्जन पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

जाति प्रमाण पत्र के लिए समग्र आईडी जरुरी

भोपाल, देशबन्धु। जाति प्रमाण पत्रों की सेवाओ के लिये भी समग्र आई.डी.होना अनिवार्य किया गया है। लोक सेवा गारंटी के जिला प्रबंधक ने बताया कि जिले की तहसीलों में स्थापित लोक सेवा गारंटी केंद्र पर जाति के आवेदन क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछड़े वर्ग, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ के मैन्युअल जाति के आवेदन मैन्युअल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति मैन्युअल अन्य पिछडे वर्ग मैन्युअल विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ ब्लड रिलेशन जाति के आवेदन ब्लड रिलेशन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति ब्लड रिलेशन अन्य पिछड़े वर्ग तथा ब्लड रिलेशन विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ पोर्टल पर इसे लाइव कर दिया गया है।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए प्रयास होंगे

भोपाल, देशबन्धु। संयुक्त संचालक कृषि बी.एल.बिलैया ने बताया है कि जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ मिलकर सभी उपाय किए जायेंगे । उन्होंने कहा हैं कि मध्यप्रदेश की खेती- किसानी में बढ़ते पेस्टिसाइड और रासायनिक खाद के उपयोग को रोकने के जैविक खाद निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। श्री बिलैया ने बताया कि गौशालाओं में निजी भागीदारी भी सुनिश्चित करने के प्रयास करेंगे, जिससे जैविक खाद निर्माण में और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। पशुपालन विभाग के साथ कृषि विभाग के वैज्ञानिक अनुसंधान कर संभाग की गौशालाओं को आत्म-निर्भर बनाएंगे। निजी सहभागिता से चलने वाली गौशालाओं की सतत निगरानी की जाएगी।

अभियुक्त व्यक्ति की उप संजाति के लिए अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 अनुसूची 5 प्रारुप संख्या-4)

मु.अ.सं. 641/23 धारा-224 भादवि
बनाम गया प्रसाद अहिरवार उर्फ गुड्डा थाना जी.आर.पी. झांसी
न्यायालय ए.सी.जे.ए.म. रेलवे झांसी
मजिस्ट्रेट ए.सी.जे.एम.रेलवे कोर्ट जिला झांसी

चूंकि मेरे समक्ष परिवाद किया है कि गया प्रसाद अहिरवार उर्फ गुड्डा पुत्र कल्लू , निवासी वार्ड नं. 1 मुहल्ला खमरिया कस्बा व थाना रहली जिला सागर (म.प्र.) द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा के अधीन दण्डनीय 224 भा.द.वि. किया गया। अपराध संख्या 641/2023 (1) है और तदुपरि निकाले गये गिरफ्तारी के किये जाने का संदेश किया गया है।

अधिपत्र को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त : जा सकता है कि चूंकि मुझको समाधान प्रारुप में यह संदर्शित कर दिया गया है कि अब पलायन कर दिया गया है, उक्त गया प्रसाद अहिरवार उर्फ गुड्डा उक्त अधिपत्र की तामील से बचने के लिये अपने को छिपा रहा है। अतएवं एदत् द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि निवासी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक 04 माह 12 सन् 2023 ई. को... उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिये उपस्थित हो।

मेरे समक्ष 04.11 सन् 2023ई से मास के दिवस को दिनांकित

सील

हस्ताक्षर
अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
उ.म. रेल झांसी

मतदान दल को शुभकामनाओं के साथ कलेक्टर ने किया रवाना

कर्मचारी चुनावी मोर्चा को संभालने बसों से बूथों के लिए हुए रवाना, परिजनों को रहेगा उनके सकुशल लौटने का इंतजार

टीकमगढ़, देशबन्धु। मतदान कराने के लिए रवाना होने वाले दल के कर्मचारियों का आज यहां कन्या हायर सेकेन्डरी स्कूल ढोंगा पर मेला लगा रहा है। यहां से बसों द्वारा दल के सदस्यों को सम्मान सहित विदा किया गया। कर्मचारियों में इस दौरान चुनाव संपन्न कराने को लेकर जहां चिंता नजर आई, तो वहीं उनके उत्साह भी देखा गया। पहली बार ड्यूटी पर जाने वालों में चुनावी मतदान को लेकर चिंता देखी गई। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देने के साथ ही अपनी शुभकामनाएं दी। बताया गया है कि इस दौरान यहां ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों के लिए चाय पानी का इंतजाम किया गया। दोपहर तक लगभग सभी दल रवाना कर दिए गए। दोपहर बाद केवल एक बस यहां शेष रही, जो यहां के नगरीय बूथों पर कर्मचारियों को पहुंचाने का काम करेगी। प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाने के बाद भी कर्मचारियों के परिजनों को उनके सकुशल लौटने तक इंतजार रहता है। परिजनों ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके सकुशल लौटने की भगवान से प्रार्थना की। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा ने प्रातः मतदान दलों से रवाना होने से पहले बात की। उन्होंने चर्चा के दौरान मतदान दलों को कहा निर्वाचन प्रक्रिया के सम्पादन में मानक प्रचालन प्रक्रिया का पालन करें। किसी भी प्रकार का संशय या संदेह होने पर तुरंत सम्बंधित सेक्टर अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी से सम्पर्क करें। आपने समस्त निर्देशों को एक बार पुनः पढ़कर आश्वस्त होने के लिए कहा। आपने कहा हर चुनाव एक नया चुनाव होता है अनुभव के बावजूद भी कोई कोताही न बरते। पूरे मनोयोग से समर्पण के साथ निर्वाचन सम्पन्न कराएँ।

मॉक पोल में बरतें सावधानियाँ: कलेक्टर ने मतदान दलों को कहा मॉक पोल की प्रक्रिया निर्धारित समय में प्रारम्भ कर दें। मतदान प्रारम्भ होने के समय के पहले मशीन को तैयार कर लें। आपने कहा मॉक पोल के पश्चात वीवीपैट से पर्चियों को निकालना सुनिश्चित करावें एवं सीलिंग की कार्यवाही करें। मॉक पोल के समय डाले गए मतों को ईवीएम से क्लीयर करना सुनिश्चित करें एवं सीलिंग की कार्यवाही करें। उन्होंने मतदान दलों से कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि मतदान केन्द्रों पर मॉकपॉल कराने के पश्चात मतदान प्रारंभ होने के पूर्व सीआरसी बटन आवश्यक रूप से दबायें गये हैं या नहीं। सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रारंभ होने के पूर्व मॉकपॉल सीआरसी अनिवार्य रूप से करायें। कलेक्टर श्री शर्मा ने समस्त मतदान दलों को शुभकामनाओं के साथ विदा किया। कलेक्टर ने वाहन व्यवस्था प्रभारी समेत सामग्री वितरण में लगे समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की एवं वापसी के समय भी इसी तत्परता से कार्य करने के लिए कहा।

मॉक पोल से सम्बंधित गतिविधियों में मानक प्रचालन प्रक्रिया

मतदान दल मतदान सामग्री लेकर हुये रवाना

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये 17 नवम्बर को मतदान होगा। आज शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज टीकमगढ़ से मतदान कर्मियों को सामग्री का वितरण किया गया। मतदान कर्मियों के लिये मतदान सामग्री वितरण केन्द्र पर आदर्श व्यवस्थायें की गई। वहीं मतदान कर्मियों और सेक्टर अधिकारियों के लिये अच्छी बैठक व्यवस्था की गई, सभी मतदान कर्मियों के लिये पेयजल एवं भोजन तथा छाया आदि की आदर्श व्यवस्थायें की गई। वहीं मतदान कर्मियों को उनके पास लाकर ईव्हीएम मषीनें एवं अन्य मतदान सामग्री दी गई। मतदान सामग्री लेकर मतदान दल मतदान केन्द्रों की ओर रवाना हो पहुंच चुके हैं।

ग्रामीणजनों की मांग नहीं हुई पूरी

छात्रों को पढ़नें जाना पढ़ता है 10 किमी दूर

टीकमगढ़, देशबन्धु। बल्देवगढ़ जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम वैसा के छात्रों को हायर सेकेण्डरी की शिक्षा के लिये करीब दस कि.मी. दूर बल्देवगढ़ व अहार जाना पड़ता है। यहां के छात्र काफी समय से हाईस्कूल को हायर सेकेण्डरी में उन्नयन किए जाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। ग्राम बैसा के कई छात्रों को तो हाईस्कूल की शिक्षा के पश्चात् पढ़ाई छोड़ देने पर विवश होना पड़ता है। क्योंकि वे रोज हायर सेकेण्डरी की शिक्षा के लिये बल्देवगढ़ व अहार नहीं आ जा सकते हैं। छात्रों के साथ उनके अभिभावक भी काफी समय से हाईस्कूल से हायर सेकेण्डरी में उन्नयन किए जाने की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2012-13 में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा हायर सेकेण्डरी के उन्नयन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। लेकिन प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचाए जाने के बाद भी अभी तक स्कूल का उन्नयन नहीं हो पाया है। हाईस्कूल बैसा के अंतर्गत बनपुरा, राजनगर, टपरियन बैसा ऊगड़, करमासन हटा, करमासन घाट, बाबाखेरा आदि ग्राम आते हैं। इन गांवों के छात्रों को ग्राम बैसा में हायर सेकेंण्डरी की शिक्षा उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणजन बृजेन्द्र मिश्रा, कु. प्रगति पाण्डेय, कु. रागनी तिवारी, गजाधर साहू आदि जनों ने शासन प्रशासन से शीघ्र ही हाईस्कूल को हायर सेकेंडरी में उन्नयन किए जाने की मांग की है ताकि छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिल सकें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से की अपील

लोकतंत्र के महापर्व में सभी मतदाता अपने अमूल्य मत का उपयोग करें

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा ने कहा है कि मतदान हमारा परम कर्तव्य है तथा स्वस्थ्य लोकतंत्र की पहचान जागरूक मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत और ताकतवर बनाने के लिए सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहिए और अन्य मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि टीकमगढ़ जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होना है। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है। इस महापर्व में सभी मतदाता अपने मत का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनायें। उन्होंने कहा कि जब तक हम मतदान नहीं करेगें हमारा लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग बिना किसी भय के करें और श्रेष्ठतम जनप्रतिनिधि का चुनाव कर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान की प्रक्रिया काफी सरल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाई गई है। मतदाता बिना किसी भय के निर्भय होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें।

मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित

टीकमगढ़, देशबन्धु। राज्य शासन ने परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट) 1881 के अंतर्गत प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव 2023 के मतदान के लिये 17 नवम्बर 2023 शुक्रवार को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है।

आज सवैतनिक अवकाश घोषित

टीकमगढ़, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 17 नवम्बर 2023 को मतदान तिथि निर्धारित की गई है। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देशानुसार म.प्र. राज्य के निजी औद्योगिक संस्थानों एवं राजकीय उपक्रमों में कामगार जो म.प्र. राज्य के मतदाता है, उन्हें मतदान हेतु नियत मतदान दिवस को सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जायेगा। यह आदेश विभिन्न संस्थानों और दुकानों, फर्मों, खदानों, ट्रकों, बसों, फैक्ट्रीयों में कार्यरत दैनिक मजदूरों आकस्मिक श्रमिकों के लिये भी लागू होगा। किसी भी पात्र कर्मचारी/श्रमिकों को मतदान से वंचित नही किया जायेगा। उल्लंघन पाये जाने की दशा में नियोजक फर्म के श्रमायुक्त म.प्र. के परिपत्र के अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

मतदान समाप्ति तक शुष्क दिवस रहेगा

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिला टीकमगढ़ के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में आम निर्वाचन 2023 में मतदान 17 नवम्बर 2023 दिन शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा ने विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत मतदान दिवस हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है। तदनुसार मतदान दिवस 17 नवम्बर 2023 को मतदान समाप्ति तक शुष्क दिवस रहेगा। शुष्क दिवस की अवधि में टीकमगढ़ जिले की समस्त कंपोजिट मदिरा दुकानें बंद रहेंगी। इस अवधि में किसी भी प्रकार की मदिरा का क्रय एवं विक्रय प्रतिबंधित है। शुष्क दिवस में मदिरा का अवैध रूप से निर्माण, अधिपत्य एवं विक्रय, परिवजन नहीं होने का समुचित ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही उन्होंने संबंधित वृत्त प्रभारियों/थाना प्रभारियों/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी प्रकार की मदिरा का क्रय-विक्रय होने की स्थिति में वह व्यक्तिगत रूप से उत्तर दायी होगे।

बूढ़े बालाजी केंद्र पर लगाया नेत्र परीक्षण शिविर

गुना, देशबन्धु। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बूढ़े बालाजी पर नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन गुरुवार को सेवा भारती की गुना शाखा के तत्वाधान में लायंस नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ सुनीता अग्रवाल, अनिरुद्ध सिंह सेंगर क्षत्रिय राजपूत समाज महासभा के राष्ट्रीय सचिव एवं डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी द्वारा भगवान धन्वंतरि की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर लायंस नेत्र चिकित्सालय की टीम दीपक जादौन ऑप्टोमेट्रिक एवं कैंप सुपरवाइजर ऋषि भार्गव द्वारा 56 से अधिक रोगियों के नेत्र प्रशिक्षण कर उपचार किया गया। वहीं 6 मोतियाबिंद के लिए मरीजों को चिन्हित कर लायंस नेत्र चिकित्सालय रेफर किया गया। इन मरीजों को लायंस नेत्र चिकित्सालय तक लाना एवं लेजाना बिल्कुल नि:शुल्क है। लायंस नेत्र चिकित्सालय पर भर्ती मरीजों के भोजन, बिस्तर, लेंस, चश्मा आदि निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी द्वारा 150 रोगियों का निशुल्क उपचार कर दवाई वितरित की गई।

इस मौके पर स्टाफ नर्स कविता धाकड़ द्वारा 40 रोगियों के ब्लड प्रेशर, 40 रोगियों की डायबिटीज की जांच की गई। जबकि स्टाफ नर्स वर्षा कटरे द्वारा 5 रोगियों के ब्लड सैंपल लिए। शिविर में निधि श्रीवास्तव, कविता धाकड़, प्रियंका मरावी, वर्षा कटरे, उमा ठाकुर, आशा कार्यकर्ता अनसुइया शर्मा, शिल्पा कदम द्वारा आंखों के रोगियों को स्वास्थ केंद्र पर लाया गया, जिनकी निशुल्क जांच कर उपचार किया गया। सौरभ रघुवंशी, मेहरबान अहिरवार आदि स्टाफ द्वारा कैंप में सहयोग किया गया। 3- शिविर में मरीजों की जांच करते हुए

उम्मीदवारों ने किया मतदाताओं के घर-घर जाकर संपर्क, लिया आशीर्वाद

टीकमगढ़, देशबन्धु। चुनाव प्रचार का समय गुजरने के साथ ही अब नगर में उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर संपर्क किया। मुख्य रूप से कांग्रेस उम्मीदवार यादवेन्द्र सिंह और निर्दलीय उम्मीदवार केके श्रीवास्तव के समर्थकों ने भी अपने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में लोगों से वोट मांगे। लोगों ने भी अपना वोट कांग्रेस और निर्दलीय उम्मीदवार केके श्रीवास्तव के पक्ष में देने का भरोसा दिलाया। हालांकि अन्य दलों के उम्मीदवार भी सड़कों पर नजर आए। आज सुबह से ही मतदान करने वालों का बूथ पर मेला लगेगा और उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईव्हीएम में बंद हो जाएगा। बताया गया है कि आज जिले की तीनों विधानसभा टीकमगढ़, जतारा एवं खरगापुर में मतदान किया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से खरगापुर एवं टीकमगढ़ विधानसभा पर लोगों की नजर बनी रहेगी। खरगापुर विधानसभा से सुश्री उमा भारती के भतीजे राहुल लोधी की प्रतिष्ठा जहां दाव पर लगी है, तो वहीं टीकमगढ़ विधानसभा से पूर्व आबकारी मंत्री यादवेन्द्र सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। हालांकि बीजेपी के प्रदेश महामंत्री हरिशंकर खटीक यहां की जतारा विधानसभा से अपना भाग्य एक बार फिर आजमा रहे हैं। वह यहां से पहले भी दो बार चुके हैं। इस बार यहां त्रिकोणीय संघर्ष के आसार बने हुए हैं। जिले में इन दिनों चुनावी चर्चाओं को दौर जारी बना हुआ है। लोग अपने-अपने चहेते उम्मीदवारों की जीत का दावा करने में लगे हैं। यहां शहर की चाय-पान की दुकानों से लेकर नगर के गलियारों तक उम्मीदवारों की हार-जीत को लेकर दांव लगाए जाने लगे हैं। उम्मीवारों ने यहां द्वार-द्वार जाकर अपना आशीर्वाद लिया। प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के इंतजाम करने के साथ ही यहां कर्मचारियों के बैठने और मतदान आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मुख्य रूप से गोपाल मंदिर, नजर बाग, पुरानी टेहरी, ढोंगा सहित अन्य बूथों पर मतदान की तैयारियों का जायजा लिया गया। नगर में चुनावी चर्चाओं का दौर जारी बना हुआ है। यहां चुनावी रंग में सारा शहर डूबा नजर आ रहा है।

कलेक्टर ने एमसीएमसी कक्ष का किया आकस्मिक निरीक्षण

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण राठी द्वारा आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में विधानसभा निर्वाचन से संबंधित निर्वाचन कार्य की प्रक्रिया को अलग-अलग तरीके से नियंत्रित किया जायेगा एवं रिपोर्टिंग प्राप्त की जायेगी। इस संबंध में जिला स्तर पर चिन्हित मतदान केंद्रों पर वेब केमरे लगाये गये हैं, जिनके माध्यम से वेबकास्टिंग द्वारा मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी जायेगी। इसी प्रकार मतदान केंद्रों पर जिला स्तर से सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं, उनके वाहनों में जीपीएस लगाये गये हैं। जिनके द्वारा सतत भ्रमण किया जायेगा और उनकी मॉनिटरिंग पर जिला स्तर से निगरानी रखने की व्यवस्था की गयी है। इसी प्रकार मतदान दिवस को मॉकपोल की जानकारी ईव्हीएम के संचालन संबंधी जानकारी तथा प्रत्येक दो-दो घंटे में मतदान के प्रतिशत की जानकारी कम्युनिकेशन प्लान टीम द्वारा तैयार की जायेगी और आयोग को रिपोर्टिंग का कार्य भी कम्युनिकेशन टीम द्वारा किया जायेगा। इसी प्रकार जिला स्तर पर एमसीएमसी एवं मीडिया नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जिसमें 24 घंटे सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया द्वारा मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान दिवस को होने वाली गतिविधियों पर सतत नजर रखी जा रही है और आयोग को रिपोर्टिंग का कार्य किया जा रहा है।

आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरूण राठी द्वारा वेबकॉस्टिंग कक्ष, जीपीएस कक्ष, कम्युनिकेशन प्लान कक्ष एवं एमसीएमसी कक्ष का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और अलग-अलग कक्ष में जाकर टीम द्वारा किये जा रहे कार्यो का फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया गया कि 17 नवम्बर को हर गतिविधि पर नजर रखी जावे और समय पर आयोग को रिपोर्टिंग किया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान ई-गवर्नेंस प्रबंधक गौतम, लोक सेवा प्रबंधक भ्रगेन्द्र रघुवंशी उपस्थित रहे।

मतदान दिवस 17 नवम्बर के संबंध में प्रतिबंधात्मक निर्देश जारी

मतदान केन्द्रों के सौ मीटर की दूरी के भीतर नहीं चला सकें के मोबाइल

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन-2023 स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने की दृष्टि से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत दण्ड प्रक्रिया सहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत में जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला टीकमगढ़ अवधेश शर्मा ने मतदान 17 नवम्बर 2023 के दिन निम्नानुसार प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। बताया गया है कि मतदान 17 नवम्बर 2023 को मतदान केन्द्र के 100 मीटर की दूरी के भीतर मतदान केन्द्र या किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थान के भीतर कोई प्रचार नहीं किया जा सकता है। मतदान 17 नवम्बर 2023 को निर्वाचन सम्पन्न होने तक मतदान केन्द्रों की 100 मीटर की परिधि अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति मोबाइल/कार्डलेस फोन्स का उपयोग नहीं करेगा, परन्तु यह प्रतिबंध पीठासीन अधिकारी एवं निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक/ सुरक्षा में लगे अधिकारियों/ प्रशासनिक अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। अधिकारियों को भी अपना मोबाइल साइलेंट मोड में रखना होगा। पोलिंग बूथ के 100 मीटर के भीतर कोई भी अभियान संबंधित पोस्टर या बैनर नहीं रहेंगे/लगेंगे। मतदान केन्द्र के 100 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारकों, मेगा फोन आदि किसी भी उपकरण द्वारा मानवीय स्वर को परिवर्धित करने या पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं होगी उल्लघन के मामले में इस तरह के तंत्र को जप्त कर लिया जायेगा तथा दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकेगी। मतदाताओं को अशासकीय मतदाता पहचान पर्ची जारी करने हेतु मतदान केन्द्रों की परिधि के 200 मीटर के अन्दर कोई बूथ स्थापित किया जावेगा। एक ही परिसर में एक से अधिक मतदान केन्द्र होने पर भी ऐसे परिसरी से 200 मीटर की दूरी पर ऐसे मतदान केन्द्रों के लिए एक उम्मीदवार का एक ही बूथ बनाया जायेगा। ऐसे बूथ पर केवल एक मेज एवं दो (बिना शामयाना तंबू) रखी जा सकेगी। ऐसे बूथ पर केवल 3ग.1.50 वर्गफीट का बैनर लगाया जा सकेगा। जिस पर अभ्यर्थी का नाम उसका दल एवं चुनाव चिन्ह लिखा जा सकता है। मतदान के दिन मतदान केन्द्र/अभ्यर्थी के बूथ पर बैठने वाले मतदान ऐजेण्ट/कार्यकर्ता के लिए या आवश्यक होगा कि वह उसी मतदान केन्द्र सोस के मतदान केन्द्र का वोटर हो और उसके पास साथ में फोटो परिचय पत्र अथवा शासन द्वारा जारी किया गया ऐसा पहचान पत्र हो जिस पर उसका फोटो लगा हो। ऐसे बूथ बनवाने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को पहले से लिखित रूप में रिटर्निंग ऑफिसर की लिखित अनुमति भी लेनी होगी। बूथ प्रबन्धकों को पुलिस/संबंधित निर्वाचन प्राधिकारियों के द्वारा मांग करने पर इस प्रकार की लिखित अनुमति प्रस्तुत करना होगी। ऐसे बूथ बनवाने पर आने वाले व्यय का लेखा निर्वाचन व्यय लेखा पंजी में रखना होगा। बताया गया है कि निर्वाचक पर्चियां बिना किसी अभ्यर्थी/दल के निशान/प्रतीक के साथ ही श्वेत पर्चियां होगी। उपरोक्त आदेश के उल्लंघन में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अन्तर्गत संबंधित के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा।

आज होगा मतदान : सामग्री के साथ मतदान दल मतदान केन्द्रों के लिये रवाना

दमोह देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम अनुसार 17 नवम्बर 2023 को मतदान संपन्न होगा। इसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक डॉ.डी साजिथ बाबू, प्रेक्षक कमलकांत सरोच, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, जिला कोषालय अधिकारी अभिषेक हजारी तथा समस्त रिटर्निंग आफीसर की उपस्थिति में सुबह निर्धारित समय पर स्थानीय पॉलीटेक्निक कॉलेज दमोह में बनाये गये ईव्हीएम स्ट्रांग रूम खोला गया और मतदान सामग्री का वितरण किया गया। मतदान दल अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिये सामग्री लेकर रवाना हुये। इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा मतदान दलों का पुष्प वर्षा कर और माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया, मतदान में अपनी महती भूमिका निभाने के लिये महिला कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में अपनी भूमिका निभाई है, इसके लिये उनका भी पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी के साथ मतदान दलों के लिये बनाई गई बैठक व्यवस्था, मतदान दलों के लिये मतदान केन्द्रों पर पहुंचने वाहन व्यवस्था आदि का जायजा लिया तथा संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। टीमों को लाईन में खड़े होकर सामग्री प्राप्त न करना पड़े इसके लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अग्रवाल ने मतदान दलों के बैठने के लिये टेबिल कुर्सी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, इस बार मतदान टीमों को मतदान सामग्री टेबिल पर ही उपलब्ध कराई गई और मतदान उपरांत मतदान सामग्री वहीं से जमा भी होगी। सामग्री वितरण एवं वापिसी शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में होगी सामग्री वितरण के लिये 52 कांउटर बनाये गये हैं, इन काउंटरों पर 1549 टेबिल एवं 5374 कुर्सियों की व्यवस्था की गई है

मतदान सामग्री वितरण स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शिविर के साथ एंबूलेंस व्यवस्था सुनिश्चित की गई। मतदान दलों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिये बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा गया और व्यवस्था सुनिश्चित की गई। नगर पालिका द्वारा पेयजल, फायर ब्रगेड, चलित शौचालय आदि की व्यवस्था की गई।

पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने बताया 1168 मतदान केन्द्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिये संपूर्ण कार्यवाही के लिये 134 पुलिस सेक्टर मोबाईल और 134 मजिस्ट्रेट सेक्टर मोबाईल बनाई गई है, जो संयुक्त रूप से कार्य करेंगी, मतदान केन्द्रों का भ्रमण करेंगे और जो भी समस्या वहां पर आयेंगी उनका निराकरण करेंगे।

901 मतदान केन्द्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

- 23 आदर्श और 15 महिला मतदान केन्द्र स्थापित
- 211 मिश्रित एवं एक युवा मतदान केन्द्र भी

पन्ना, देशबन्धु। जिले में 17 नवम्बर को तीन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सुरक्षा के साथ निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव के लिए पुख्ता इंतजाम भी सुनिश्चित किए गए हैं। जिला कलेक्टर हरजिंदर सिंह द्वारा जिले के सभी 901 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं को सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश पूर्व में ही दिए जा चुके हैं। जिले के 901 मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। इनमें 218 क्रिटिकल मतदान केन्द्र भी शामिल हैं। इसके अलावा 2 वल्नरेबल मतदान केन्द्र हैं। सामान्य मतदान केन्द्रों की संख्या 681 है। मतदान के सुचारू संचालन के लिए 107 सेक्टर ऑफीसर की तैनाती की गई है। इन्हें सेक्टर मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी गई हैं। इसके अलावा 220 मतदान केन्द्रों में माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती भी की गई है।

आदर्श मतदान केन्द्र- जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र में 23 आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। आदर्श मतदान केन्द्रों में आकर्षक साज सज्जा की गई है। इनमें पवई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 20 सिमरिया, 66 कुंवरपुर, 80 पुरैना, 126 नगर परिषद कार्यालय पवई, 130 नगर परिषद पवई के वार्ड नंबर 15 में, 166 अधराड हरदुआ रावजू, 168 रैपुरा, 233 सुडौर, 273 कृष्णगढ़, 324 शाहनगर और 328 पुरैना शामिल हैं।

इसी तरह गुनौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 25 नगर परिषद अमानगंज में, 108 एवं 109 नगर परिषद गुनौर, 140 नगर परिषद ककरहटी, 173 नगर परिषद देवेन्द्रनगर और 178 नगर परिषद देवेन्द्रनगर में आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। पन्ना विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 146 एवं 147 नगर परिषद अजयगढ़ में भी आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। पन्ना नगर में भी तीन आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। मतदान केन्द्र क्रमांक 185 डाइट कक्ष क्रमांक 1, मतदान केन्द्र क्रमांक 191 छत्रसाल महाविद्यालय दक्षिणी भाग का कक्ष, मतदान केन्द्र क्रमांक 197 मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय और मतदान केन्द्र क्रमांक 200 नगर पालिका परिषद कार्यालय का पूर्वी कक्ष को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है।

महिला संचालित मतदान केन्द्र- जिले की तीन विधानसभा में पांच-पांच महिला संचालित मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रों पर मतदान दल में सभी महिलाएं हैं। पवई विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 24 सिमरिया, 53 मोहन्द्रा, 124 नगर परिषद पवई, 167 रैपुरा और 241 तिदुनी को पिंक पोलिंग बूथ बनाया गया है। गुनौर विधानसभा में नगर परिषद अमानगंज के मतदान केन्द्र क्रमांक 27 एवं 30, नगर परिषद गुनौर के मतदान केन्द्र क्रमांक 106 एवं 107 और मतदान केन्द्र क्रमांक 177 नगर परिषद देवेन्द्रनगर को तथा पन्ना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद अजयगढ़ के मतदान केन्द्र क्रमांक 150 एवं 151, पन्ना नगर के शासकीय आरपी उ.मा. विद्यालय क्रमांक 2 के मतदान केन्द्र क्रमांक 178, 179 और 180 को पिंक पोलिंग बूथ बनाया गया है। पिंक पोलिंग बूथ में बच्चों के लिए खेलकूद कॉर्नर और आंचल कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा जिले में 211 मिश्रित मतदान केन्द्र भी बनाए गए हैं, जबकि एक युवा मतदान केन्द्र पन्ना विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक 144 शासकीय प्राथमिक शाला किशनपुर के अतिरिक्त कक्ष में स्थापित किया गया है।

रस्सी की फैक्ट्री में आग लगने से लाखों की सामग्री जलकर खाक

दमोह देशबन्धु। दमोह शहर अंतर्गत रस्सी की फैक्ट्री में आग लगने से लाखों की सामग्री जलकर खाक हो जाने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के जबलपुर नाका स्थित मारूताल में उद्योग विभाग की जमीन में बनी सौरभ राय की रस्सी फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से आग लग गई। स्थानीय लोगों द्वारा रस्सी फैक्ट्री में आग लगले की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेंड एवं स्थानीय लोग की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक लाखों की सामग्री जलकर खाक हो चुकी थी।

हिंडोरिया पुलिस की बड़ी कार्यवाई

दमोह देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक दमोह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एसडीओपी पथरिया के निर्देशन में थाना प्रभारी हिंडोरिया महेंद्र कुमार जगेत के द्वारा ग्राम ग्राम हिंडोरिया में आरोपियों के कब्जे से 12 पेटी देशी शराब जप्त की गई, जो अपराध पंजीबद्ध कर 34(2)आबकारी एक्ट की कार्रवाई की गई. कार्रवाई के दौरान सब इंस्पेक्टर पंकज शर्मा प्रधान आरक्षक 77 जितेंद्र यादव, प्रधान आरक्षक 158 अभिषेक आरक्षक, 609 प्रशांत दुबे, आरक्षक 833 महेंद्र आरक्षक 648 बाबू सिंह का योगदान रहा।

कतकारियों ने किया तुलसी माता का पूजन

दमोह देशबन्धु। नगर के धरमपुरा वार्ड 39 चंदन तलैया मंदिर परिसर में कतकारियों ने माँ तुलसी का पूजन किया। इसके पश्चात् पं कुंजबिहारी अवस्थी के निवास पर पहुंचकर कार्तिक व्रत रखने वाली कतकारियों ने तुलसी माता पूजन किया और भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन होकर गीत गाए और नाच गाकर कृष्ण उपासना की। पंडित अवस्थी के यहां तुलसी पूजन का यह कार्यक्रम विगत 84 वर्षो से लगातार किया जा रहा है। भगवान विष्णु को प्रिय पुरुषत्र और माता लक्ष्मी को प्रिय श्रीसूत्र पाठ का वाचन में पं. दिनेश पाठक, पं पुरूषोत्तम शुक्ला, पं देवेन्द्र दुबे, पं शुभम तिवारी, पं अनुराग दुबे, पं अनुज दुबे, पं जागेश मिश्रा, पं दर्शन मिश्रा, पं. नरेन्द्र दास दुबे, शुभम गोस्वामी, गणेश गिरी, रामकुमार तिवारी, विकास तिवारी, लकी राजौरिया, रामगोपाल गोस्वामी आदि ने किया। इस संबंध में पंडितों ने बताया कि कार्तिक मास का यह

कठिन व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी से शुरू होकर अगहन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को पूर्ण होता हैं। इसमें व्रत रखने वाली कतकारियों एक माह तक एक प्रकार का अन्न ग्रहण कर व्रत रखती हैं।

जनता की अदालत सबसे बड़ी- अजय टंडन

दमोह देशबन्धु। विधानसभा 2023 चुनाव प्रचार समाप्ति के बाद कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के वरिष्ठो के घर घर जाकर उनका आर्शीवाद लेते हुए व्यक्तिगत मुलाकात कर कांग्रेंस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की बात कही। गुरूवार को भी ग्वारी, भूरी, बिजौरी, अथाई एवं नगर के अनेक वार्डो से आये व्यक्तियों ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतनचंद जैन, मनु मिश्रा, सतीश जैन, गौरव पटैल, मंजु वीरेन्द्र राय, राजेश तिवारी, सुषमा विक्रम सिंह, राशु चौहान, वीरेन्द्र राजपूत, नितिन मिश्रा, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, पवन गुप्ता, राजा राय, भूपेन्द्र आजवानी की उपस्थिति में लगभग 300 कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

कलेक्टर ने मतदाताओं से की मतदान की अपील

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए पन्ना जिले के सभी तीन विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान

कराया जाएगा। इसके लिए 901 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 7 लाख 64 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हरजिंदर सिंह ने सभी मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान की अपील की है। उन्होंने कहा कि मतदान शांतिपूर्वक करवाने के लिए कड़े प्रबंध किए गए हैं। मतदाता स्वयं मतदान करने के साथ अन्य मतदाताओं को भी मताधिकार के उपयोग के लिए प्रेरित करें। सभी मतदाता निर्भय होकर तथा दबावमुक्त होकर निष्पक्षता से मतदान करें। कलेक्टर ने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार के उपयोग की अपील की है।

प्रशासन की एक और लापरवाही सैकड़ों अतिथि शिक्षक मताधिकार से वंचित

पन्ना, देशबन्धु। जहां एक ओर चुनाव आयोग द्वारा मतदान प्रतिशत बढाने के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम किये जा रहे है तथा अधिक से अधिक मतदान करने का ढिडोरा पीटा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मतदाताओ को मतदान करने से वंचित किया जा रहा है। जिले के सैकडो अतिथि शिक्षको को ड्यूटी चुनाव मे लगा दी गई। उन्हे मतदान करने की कोई सुविधा नही दी गई। जिससे वह मतदान करने से वचिंत रह जायेगें। उक्त मामले को लेकर अतिथि शिक्षको ने भारी हंगामा भी किया उसके बावजूद कोई निस्कर्ष नही निकला। इसी प्रकार वाहनो में चालको तथा सहयोगीयो के भी मतदान करने की कोई व्यवस्था चुनाव आयोग एवं प्रशासन द्वारा नही की गई। जेल मे बंद कैदियो के लिए भी मतदान करने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नही है। जिसका दूसरा नमूना 16 नवंबर 2023 को पन्ना पॉलिटेक्निक कॉलेज प्रांगण में देखने को मिला।

जानकारी के अनुसार अचानक 15 नवंबर को अतिथि शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगाने संबंधी आदेश जारी कर अतिथि शिक्षकों को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में बुलाया गया वहां पहुंचने पर उन्हें सेक्टर अधिकारी एवं पीठासीन अधिकारी के साथ ड्यूटी लगाने की जानकारी दी गई, अतिथि शिक्षकों ने जब मतदान करने के संबंध में पूछा तो अधिकारी टाल मटोल करने लगे, जिस पर अतिथि शिक्षकों के द्वारा नाराजगी जताई गई मामले की जानकारी जब विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को लगी तो कई नेता मौके पर पहुंच गए कुछ लोगों के द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी से लेकर भारत निर्वाचन आयोग व राज्य निर्वाचन आयोग तक फोन व ईमेल के माध्यम से शिकायत की गई। इसके बाद भी अतिथि शिक्षकों को मताधिकार का प्रयोग करने का मौका नहीं मिला बताया गया है कि प्रशासनिक अधिकारी देर शाम तक अतिथि शिक्षकों को गुमराह करते रहे एक बार यात्री बस में बैठक कलेक्ट्रेट ले गए फिर पुलिस लाइन ले गए इस प्रकार गुमराह करते हुए उन्हें आखिर में ड्यूटी के लिए भेज दिया गया जिसे कुछ अभ्यर्थियों के द्वारा साजिश बताया जा रहा है।

मतदान आज इस बार लगभग 2 हजार से अधिक महिला कर्मचारियों की भी लगाई गई ड्यूटी

पन्ना, देशबन्धु। जिले में 17 नवम्बर को तीन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सुरक्षा के साथ निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव के लिए पुख्ता इंतजाम भी सुनिश्चित किए गए हैं। जिला कलेक्टर हरजिंदर सिंह द्वारा जिले के सभी 901 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं को सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश पूर्व में ही दिए जा चुके हैं। जिले के 901 मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। इनमें 218 क्रिटिकल मतदान केन्द्र भी शामिल हैं। इसके अलावा 2 वल्नरेबल मतदान केन्द्र हैं। सामान्य मतदान केन्द्रों की संख्या 681 है। मतदान के सुचारू संचालन के लिए 107 सेक्टर ऑफीसर की तैनाती की गई है। इन्हें सेक्टर मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी गई हैं।

इसके अलावा 220 मतदान केन्द्रों में माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती भी की गई है। आदर्श मतदान केन्द्र जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र में 23 आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। आदर्श मतदान केन्द्रों में आकर्षक साज सज्जा की गई है। इनमें पवई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 20 सिमरिया, 66 कुंवरपुर, 80 पुरैना, 126 नगर परिषद कार्यालय पवई, 130 नगर परिषद पवई के वार्ड नंबर 15 में, 166 अधराड हरदुआ रावजू, 168 रैपुरा, 233 सुडौर, 273 कृष्णगढ़, 324 शाहनगर और 328 पुरैना शामिल हैं। इसी तरह गुनौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 25 नगर परिषद अमानगंज में, 108 एवं 109 नगर परिषद गुनौर, 140 नगर परिषद ककरहटी, 173 नगर परिषद देवेन्द्रनगर और 178 नगर परिषद देवेन्द्रनगर में आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। पन्ना विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 146 एवं 147 नगर परिषद अजयगढ़ में भी आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। पन्ना नगर में भी तीन आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। मतदान केन्द्र क्रमांक 185 डाइट कक्ष क्रमांक 1, मतदान केन्द्र क्रमांक 191 छत्रसाल महाविद्यालय दक्षिणी भाग का कक्ष, मतदान केन्द्र क्रमांक 197 मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय और मतदान केन्द्र क्रमांक 200 नगर पालिका परिषद कार्यालय का पूर्वी कक्ष को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। महिला संचालित मतदान केन्द्र जिले की तीन विधानसभा में पांच-पांच महिला संचालित मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रों पर मतदान दल में सभी महिलाएं हैं। पवई विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 24 सिमरिया, 53 मोहन्द्रा, 124 नगर परिषद पवई, 167 रैपुरा और 241 तिदुनी को पिंक पोलिंग बूथ बनाया गया है। गुनौर विधानसभा में नगर परिषद अमानगंज के मतदान केन्द्र क्रमांक 27 एवं 30, नगर परिषद गुनौर के मतदान केन्द्र क्रमांक 106 एवं 107 और मतदान केन्द्र क्रमांक 177 नगर परिषद देवेन्द्रनगर को तथा पन्ना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद अजयगढ़ के मतदान केन्द्र क्रमांक 150 एवं 151ए पन्ना नगर के शासकीय आरपी उ.मा. विद्यालय क्रमांक 2 के मतदान केन्द्र क्रमांक 178, 179 और 180 को पिंक पोलिंग बूथ बनाया गया है। पिंक पोलिंग बूथ में बच्चों के लिए खेलकूद कॉर्नर और आंचल कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा जिले में 211 मिश्रित मतदान केन्द्र भी बनाए गए हैं, जबकि एक युवा मतदान केन्द्र पन्ना विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक 144 शासकीय प्राथमिक शाला किशनपुर के अतिरिक्त कक्ष में स्थापित किया गया है।

मतदान दलों का पुष्प माला, तिलक लगाकर किया गया स्वागत

पन्ना, देशबन्धु। 17 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों के पहुंचने का सिलसिला जैसे ही मतदान केन्द्रों पर शुरू हुआ, वहां मौजूद बीएलओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा मतदान दल का स्वागत पुष्प माला एवं तिलक लगाकर किया गया। मतदान दलों के स्वागत से सभी मतदान दल के अधिकारी कर्मचारी न केवल खुश हुए बल्कि अपने हुए सम्मान से निर्वाचन की प्रक्रिया उन्हें आसान नजर आने लगी। सभी दलों के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा मतदान केन्द्र पर पहुंचकर देर शाम तक 17 नवम्बर को आयोजित होने वाले चुनाव की समस्त तैयारियां पूरी करते रहे। जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय द्वारा मतदान केन्द्रों पर मतदान दल के पहुंचने की जानकारी लेकर केन्द्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की निरंतर व सतत समीक्षा भी की गई। उन्होंने कई मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

त्रिकोणीय संघर्ष में फिर पथरिया विधानसभा

- अभी तक लगातार दूसरी बार कोई जनप्रतिनिधि नही दिया

दमोह/पथरिया देशबन्धु। पिछले बार की तरह इस बार फिर त्रिकोणीय संघर्ष में विधानसभा पथरिया चुनाव हो रहा है जहां वर्ष 2018 में जो प्रत्याशी मैदान में थे वही इस बार अपना भाग्य आजमा रहे भाजपा बसपा ने पुन: तो कांग्रेस पार्टी ने प्रत्याशी बदला वाकि वही है जिनके बीच वर्ष 2018 में मुकाबला रहा। क्षेत्र में चुनाव उम्मीदवारों से विजन की बात करें तो सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य,पानी की बात तो सभी कर रहे हैं पर भाजपा व बसपा प्रत्याशी तो क्षेत्र से निर्वाचित रह चुके फिर भी समस्या का स्थाई समाधान नही 5 वर्ष का समय कम होता है शायद जनप्रतिनिधि को इसलिए फिर दुबारा पुन: मांग करते हैं क्षेत्रीय मुद्दों की बात करें तो आज भी जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नही हो पा रही है वही तकनीकी शिक्षा, केन्द्रीय विद्यालय, सिविल अस्पताल, वायपास सड़क, रोजगार उपलब्ध कराने कोई ध्यान नही ऐसे में जनता भी क्या करें वही चर्चा का बाजार गर्म है कि आखिर कब तक ऐसे चलता रहेगा निर्वाचित होने के बाद अगर जनप्रतिनिधि क्षेत्र में विकास ना करा पाए तो क्या कर सकते हैं अभी तक पथरिया विधानसभा का रिकॉर्ड रहा है कि कोई भी जनप्रतिनिधि लगातार दूसरी बार विधायक नही चुना गया इसीलिए हर बार नया चेहरा बदलत रही। इस बार त्रिकोणीय संघर्ष में विधानसभा चुनाव फिर फस गया जहां मतदाता अभी तक स्वंय तय नही कर पा रहा है आखिर किस पर विश्वास जताया जाए।

जातीय समीकरण के हिसाब सब अपने अपने लगा रहे और वोटों की गणना कर रहे पर हकीकत यह है एवं बढ़ गई कि जिसका हर मतदाता पर विश्वास होगा वही क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर पायेगा। आज 17 नवंबर को सभी मतदाता अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि का चुनाव कर मतदान करेंगे। सभी मतदाता अपने मत का उपयोग अवश्य करें मतदान समय सुबह 7 से शाम 6 बजे तक कर सकेंगे।

मतदान दलों के अधिकारी-कर्मचारियों ने की व्यवस्थाओं की सराहना

राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया स्ट्रांगरूम, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में की गई सामग्री वितरण

सागर, देशबन्धु। जिले के सभी मतदान दल अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर जिला प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराई गई 500 से अधिक बसों के माध्यम से पहुंचे। मतदान दलों के अधिकारी कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं की सराहना की। विधानसभा चुनाव आज प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। गुरुवार को सुबह राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रांगरूम खोला गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने सामग्री का वितरण अपनी उपस्थिति में कराया एवं मतदान दलों को रवाना किया गया। प्रात: 7 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम से सामग्री वितरण किया गया। सामग्री वितरण की व्यवस्थाओं का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने समस्त अधिकारियों के साथ जायजा लिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हेतु स्ट्रांग रूम में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। सभी विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतदान सामग्री वितरण केंद्र बनाए गए थे। वितरण केंद्र के समीप संबंधित विधानसभा क्षेत्र की पार्किंग भी बनाई गई थी। मतदान दल अधिकारी कर्मचारियों के लिए सामग्री वितरण केंद्र के पास ही उनकी चार पहिया, दो पहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था भी बनाई गई थी, जिसकी सभी मतदान अधिकारी कर्मचारियों ने सराहना की। जिले में 8 विधानसभा क्षेत्र के 2118 मतदान केन्द्रों पर गुरूवार की शाम तक सभी मतदान दल पहुंच गये। सभी दलों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध कराई गई है।

मतदान दलों ने मतदान केन्द्र पर दीप जलाकर मतदाताओं को किया आंमत्रित

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के तहत आज होने वाले मतदान में शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य के निर्देश पर स्वीप योजना के नोडल प्रभारी पीसी शर्मा एवं अमर जैन के द्वारा व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। विगत दिवस मतदान वाली दीपावली मनाने के लिए एक गीत भी प्रदर्शित किया गया था। इसी गीत को चरित्रतार्थ करते हुए मतदान दलों के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा अपने साथ लाये गये दीपों एवं मोमबत्तियों को जलाकर मतदान वाली दीपावली मतदान केन्द्र पर मनाई साथ में मतदाताओं को दीप जलाकर आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर मतदान दलों के द्वारा मतदान केन्द्र पर मतदान के समस्त कार्यो को संपन्न करने के उपरांत रंगोली सजाकर, दीपो का प्रज्जलित किया गया। इस अवसर पर मतदान दलों के साथ पंजाब पुलिस की विशेष टुकडी जिसमें महिला अधिकारी कर्मचारी शामिल थी। उन्होंने भी दीप प्रज्जवलित कर मतदान वाली दीपावली मनाई एवं शांति का संदेश दिया।

मतदान दलों का पुष्प माला, तिलक लगाकर किया गया स्वागत

सागर, देशबन्धु। आज होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों के पहुंचने का सिलसिला जैसे ही मतदान केन्द्रों पर शुरू हुआ, वहां मौजूद बीएलओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा मतदान दल का स्वागत पुष्प माला एवं तिलक लगाकर किया गया। मतदान दलों के स्वागत से सभी मतदान दल के अधिकारी कर्मचारी न केवल खुश हुए बल्कि अपने हुए सम्मान से निर्वाचन की प्रक्रिया उन्हें आसान नजर आने लगी। सभी दलों के अधिकारी कर्मचारीयों मतदान केन्द्र पर पहुंचकर देर शाम तक 17 नबंवर को आयोजित होने वाले चुनाव की समस्त तैंयारियां पूरी करते रहे।

आकर्षण का केन्द्र बने महिला एवं आदर्श मतदान केन्द्र

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन को सुगम, सरल बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य के द्वारा आयोग के निर्देशों के तहत नवाचार करते हुए जिले की 8 विधानसभा क्षेत्रों में 227 महिला मतदान केन्द्र एवं 58 आदर्श मतदान केन्द्र आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। जिला निर्वाचन अधिकारी की पहल पर मतदान केन्द्रों पर समस्त आवश्यक मूलभूत सूविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ आकर्षक साज सज्जा कराई गई है। श्री आर्य ने बताया कि 227 महिला मतदान केन्द्रों पर मतदान दल की सभी अधिकारी कर्मचारी महिला ही है। साथ में पुलिस अधिकारी कर्मचारी भी महिला लगाई गई है। उक्त केन्द्रों पर महिला अधिकारी कर्मचारियों के लिए मतदान केन्द्र पर पंलग, गददा, रजाई, तकिया, चादर, गरम पानी सहित अन्य जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इसी प्रकार महिला मतदान केन्द्र सहित सभी 2118 मतदान केन्द्रों पर नाश्ता भोजन, चाय, पानी की व्यवस्था भी गुणवत्ता युक्त कराई गई है।

मतदान रूपी अधिकार का उपयोग कर, बनें सशक्त लोकतंत्र में सहभागी: संभाग आयुक्त

सागर, देशबन्धु। संभागायुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने आज होने वाले विधानसभा निर्वाचन के मतदान में सभी संभागवासियों बढ़ चढ़कर भाग लेने एवं मतदान रूपी अपने कर्तव्य को निभाते हुए एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में सहभागी बनने का आव्हन किया है। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने संभाग के समस्त जिलों के मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान अवश्य करें तथा भारतीय संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। सभी ज़िले मतदान के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। हम सभी अपने मत का उपयोग करते हुए इस निर्वाचन को सफल बनाएं।

सभी जिलों के मतदान केंद्रों पर चाक चौबंद है सुरक्षा व्यवस्था: आईजी

सागर, देशबन्धु। आईजी प्रमोद वर्मा ने कहा है कि संभाग के सभी जिलों के मतदान केंद्रों पर चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सभी संभाग वासियों से मताधिकार का उपयोग करने की अपील की है और कहा है कि मतदान करके हम न केवल अपने कर्तव्य को निभाते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहभागी भी बनते हैं। अत: लोकतंत्र के महापर्व में सभी बढ़चढ़कर शामिल हों और अपने विवेक और ईमानदारी से मताधिकार का उपयोग करें।

उत्साह के साथ शामिल हों मतदान रूपी महापर्व में: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे लोकतंत्र के सबसे बड़े त्यौहार में पूरे उत्साह और जोश के साथ शामिल हों। सभी अपने मतदान केंद्र पर पहुंचे और अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यही है कि यह हम सभी देशवासियों को अपनी सरकार चुनने का मौका देती है। हमें इसका उपयोग अवश्य करना चाहिए और बिना किसी बहकावे या प्रलोभन में आए बिना पूरे विवेक के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहिए। एक-एक वोट अमूल्य है। इसलिए सभी को मतदान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

निर्भीक होकर करें मतदान: अभिषेक तिवारी

सागर, देशबन्धु। जिले में विधानसभा निर्वाचन के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ सुरक्षा व्यवस्था के तमाम इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्भीक और भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के लिए सीएपीएफ, एसएएफ, होम गार्ड के साथ साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

बालक की मौत पर बवाल, ट्रैक्टर की चपेट में आने से बालक की मौत

सागर, देशबन्धु। मोतीनगर थाना क्षेत्र के खुरई रोड पर गुरुवार शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से बालक की मौत हो गई। दुर्घटना देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना से गुस्साये लोगों ने सागर-खुरई रोड पर चक्काजाम कर दिया और जमकर नारेबाजी की। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और लोगों को समझाइश देकर शांत कराया। जानकारी के अनुसार खुरई रोड पर स्थित कृषि उपज मंडी के पास ट्रैक्टर की चपेट में आने से कृष्णा अहिरवार उम्र 12 साल निवासी गढ़ोली की मौत हो गई। घटनाक्रम देख मृतक बालक के परिवार वाले और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटना का विरोध करते हुए सागर-खुरई मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देकर शांत कराने की मशक्कत शुरू की। इसी दौरान कुछ लोगों ने हाथों में डंडे लेकर घुमाये। घटना की सूचना पर एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। काफी समझाइश के बाद परिवार वाले माने। जिसके बाद चक्काजाम खोला गया। वहीं शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि वाहन की चपेट में आने से बालक की मौत हुई है। घटनास्थल पर लोग जमा हुए थे। जिन्हें समझाइश देकर हटाया गया है। मामले में वाहन को जब्त कर लिया है। प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

भैसों को खेत से बाहर निकालने को लेकर युवक से की मारपीट

बीना, देशबन्धु। दौतलपुर गांव में खेत में फसल को नुकसान पहुंचा रही भैसों को खेत से बाहर निकालने पर कुछ लोगों ने मिलकर एक युवक के साथ मारपीट कर दी। जिससे युवक को चोट आई हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग शिकायत करने के लिए एसडीओपी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पीड़ित युवक बालमुकुंद पिता निरनसिंह लोधी 22 ने शिकायत में बताया कि बुधवार की शाम कंजिया निवासी एक व्यक्ति ने फसल में भैसों को छोड़ दिया था, जिससे फसल को नुकसान हो रहा था। भैसों को भगाने पर कुछ लोगों ने लात घूसों से मारपीट कर दी और ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। भाभी और छोटे भाई सहित ग्रामीणों के आने पर वह भाग गए। मारपीट करने वालों में एक व्यक्ति कट्टा लिए हुआ था और भैसों के भगाने पर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में युवक को कमर, पैर, पेट में चोट आई हैं, पीड़ित ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की।

मीडिया चारों दिशाओं में संतो के विचारों की खुशबू फैलाते हैं, जिससे धर्म की प्रभावना का वातावरण बनता है: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। जिनका लक्ष्य निस्वार्थ सेवाएं हमारी संस्कृति को सुरक्षित रखने का, जनकल्याण आदि श्रेष्ठ कार्यों के करने का रहा हो, साफ स्वच्छ छवि वाले हो, ऐसे लोगों को ही मौका देना चाहिए यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा मुनिश्री ने कहा अच्छे लोग चंद ही हुआ करते हैं, उन्हीं से इतिहास बनता है। देश नगर समाज संस्कृति का उत्थान होता है। राजनीति से दूर नहीं भागना, बल्कि अच्छे लोगों को राजनीति में आकर जो गंदगी है उसे दूर करना चाहिए। मुनिश्री ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कहा की मीडिया समाचार पत्र चारों दिशाओं में संतो के विचारों की खुशबू फैलाते हैं, जिससे धर्म की प्रभावना का वातावरण बनता है और हजारों लोग संतो के विचारों को पढ़कर अपना जीवन परिवर्तित करते हैं। क्षुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर ने कहा संत सत्ता में नहीं, सत्य में जीते हैं, उन्हें राजनीति से नहीं, धर्म नीति से मतलब होता है। संत जीतने का नहीं, जीवन जीने का आशीर्वाद देते हैं। राजनीति पानी है और धर्म शक्कर है। धर्म का पानी अगर राजनीति में मिल जाता है तो राजनीति भी मीठी हो जाती है, स्वच्छ साफ हो जाती है। लोकतंत्र में सबको मत देने का अधिकार है, मतदान अवश्य करना चाहिए, बस सोच विचार के सेवा धर्म ईमानदार को देश संस्कृति समर्पण उत्थान करने वालों को आपका श्रेष्ठ निर्णय ही श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण करेगा।

वर्द्धमान कॉलोनी के पंचकल्याणक महोत्सव 20 से

सागर, देशबन्धु। पार्श्वनाथ जैन मंदिर वर्द्धमान कॉलोनी में नवनिर्मित मान स्तंभ की प्रतिष्ठा हेतु पंचकल्याणक जिनविंब प्रतिष्ठा महोत्सव एवं रथोत्सव का आयोजन 20 से 25 नवम्बर तक उदासीन आश्रम के पास किया जा रहा है। महोत्सव के पूर्व 19 नवम्बर को घटयात्रा निकाली जायेगी। मुनिश्री अजित सागर एवं मुनिश्री निर्दोष सागर के ससंघ सानिध्य में आयोजित महोत्सव के प्रतिष्ठाचार्य ब्रं. विनय भैया बंडा और नन्हेभाई शास्त्री, ज्ञानचंद जैन, हरीशचंद जैन, प्रकाश शास्त्री के निर्देशन में महोत्सव की धार्मिक क्रियाएं संपन्न होंगी। 20 नवम्बर को ध्वजारोहण होगा और गर्भकल्याणक पूर्व रूपए, 21 को उत्तर रूपए, 22 को जन्मकल्याणक, 23 को तप कल्याणक, 24 ज्ञान कल्याणक, 25 को मोक्ष कल्याणक पर रथोत्सव दोपहर में निकाला जायेगा। मान स्तंभ के पुर्ण्याजक मीना जैन, डॉ. प्रियेश जैन, स्वाति जैन परिवार है। महोत्सव में आर्यिका गुरूमति, दृढ़मति, अकंपमति तथा अनंतमति माताजी का सानिध्य संभावित है। महोत्सव में भगवान की माता-पिता बनने का सौभाग्य निधि राजकुमार जैन और सौधर्म इंद्र सुनीता विनोद कुमार जैन को प्राप्त हुआ है। महोत्सव के सभी पात्रों का चयन किया जा चुका है।

फरार आरोपित के घर चस्पा किया नोटिस

रहली, देशबन्धु। रेल पुलिस को चकमा देकर हिरासत से भागे आरोपी की तलाश में जीआरपी झांसी पुलिस गुरुवार को रहली पहुंची जहां फरार आरोपी गया प्रसाद उर्फ गुड्डा पिता कल्लू अहिरवार निवासी वार्ड क्र.1 खमरिया के घर नोटिस चस्पा किया और परिजनों को सूचना दी गई की आरोपी को जल्द ही पेश करे। जीआरपी थाना झांसी प्रभारी पंकज कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ रहली पहुंचे जहा अभियुक्त के घर पर उक्त न्यायालय का नोटिस की तामिली वा सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर, मुनादी कराई।

सरदार पटेल हाई सेकेंडरी स्कूल के बच्चों और शिक्षक ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

बीना, देशबन्धु। जेपी थर्मल पॉवर प्लांट में स्थित सरदार पटेल हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव आनंद के नेतृत्व में स्कूल के बच्चों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि हम अक्सर कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इस भविष्य को सुरक्षित रखना और इसका उचित पालन पोषण सुनिश्चित करना हम सभी का कर्तव्य है। आज के बच्चों के पास तकनीक और ढेर सारी जानकारी व ज्ञान है। वे देश और विदेश में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने बच्चों की प्रतिभा को सही दिशा दें। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों में दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशीलता होती है। वे दूसरों का दु:ख देखकर दु:खी हो जाते हैं और दूसरों को खुश देखकर प्रसन्न हो जाते हैं। बच्चों के इसी गुण के कारण हम उन्हें बचपन से ही दूसरों की मदद करने और पर्यावरण के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। बच्चों को स्वास्थ्य और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी बेहद जरूरी है। अगर वे अपनी क्षमता को पहचानें और पूरी लगन तथा कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें, तो वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। बच्चों में भक्ति पाठक, निधि सिंह, हर्षित काटेकर एवं शौर्य मिश्रा के साथ अध्यापक बृजेश मिश्रा ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर उनके दिए मार्गदर्शन पर चलने का प्रण लिया।

जिले के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 97 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

- सबसे अधिक 21 सागर तथा सबसे कम 8-8 बीना, खुरई में प्रत्याशी
- पुलिस बल, होमगार्ड सहित सीएपीएफ की 18 कंपनी तैनात
- सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान
- जिले के 17 लाख से अधिक मतदाता चुनेंगे आठ विधायक

सागर, देशबन्धु। मप्र में सोलहवीं विधानसभा के लिए जिले की आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान आज होगा। इन क्षेत्रों 97 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। सबसे अधिक 21 उम्मीदवार सागर विधानसभा क्षेत्र में तथा सबसे कम 8-8 उम्मीदवार बीना एवं खुरई विधानसभा क्षेत्र में चुनाव मैदान में उतरे है। जिले की आठों विधानसभा सीटों के लिए आज सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। सुबह 5.30 बजे सबसे पहले मॉक पोल करवाया जायेगा। जिले में कुल 17 लाख 82 हजार 725 मतदाता है। इनमें पुरुष 9,37,328, महिला 8,45,365 और 32 अन्य मतदाता शामिल है। आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 2118 मतदान केन्द्र है। इनमें सबसे अधिक 300 रहली विधानसभा क्षेत्र में है। बीना में 232, खुरई में 253, सुरखी में 271, देवरी में 255, नरयावली में 268, सागर में 248 और बंडा में 291 मतदान केन्द्र है। जिले में 1408 मतदान केन्द्र ग्रामीण और 710 मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्र में है। सबसे अधिक 2,48,128 मतदाता बंडा विधानसभा क्षेत्र में है। इसके अलावा बीना में 1,90,765 खुरई में 2,13,663 सुरखी में 2,24,353, देवरी में 2,16,374, नरयावली में 2,37,242, सागर में 2,08,843 और रहली में 2,43,398 मतदाता मतदान करेंगे। जिले में 18-19 आयु वर्ग के 65,734 युवा मतदाता वोट डालेंगे। जिले में क्रिटिकल मतदान केन्द्रों की संख्या 597 है। जिनमें से 585 बेवकास्टिंग की जाएगी। 1521 सामान्य मतदान केन्द्रों में से 464 में बेवकास्टिंग होगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में 234 माइको ऑब्जर्वर की तैनाती होगी। 12 क्रिटिकल मतदान केन्द्रों की वीडियोग्राफी करवाई जायेगी। इनमें 7 देवरी तथा 5 रहली के मतदान केन्द्र है। इस प्रकार 1049 मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग एवं 12 मतदान केन्द्रों की वीडियोग्राफी होगी। आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 2118 ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों की इस्तेमाल होगा तथा 413 सीयू, 467 बीयू एवं 603 वीवीपेट रिजर्व में रहेगी। मतदान में 2118 कंट्रोल यूनिट लगाई गई है। 424 रिजर्व में उपलब्ध रहेगी। सभी मतदान केन्द्रों में 2118 वीवीपेट रहेगी, जिसमें मतदाता अपने वोट की पुष्टि कर सकेंगे। जिले में 58 आदर्श मतदान केन्द्र और 227 महिला मतदान केन्द्र स्थापित किये गये है। मतदान करवाने के लिए 9320 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 192 सेक्टर अधिकारी, 234 माइको आब्जर्वर तथा 1496 छोटे-बड़े वाहनों की सेवाएं मतदान को संपन्न करवाने में ली गई है।

जिले में शांति पूर्वक मतदान करवाने के लिए 1500 स्थानीय पुलिस बल तैनात किया गया है। सीएपीएफ की 18 सुरक्षा कंपनी पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था सम्हाल रही है। एक कंपनी में 80 से 90 जवान तैनात है। इनके अलावा 1350 होम गार्ड तथा 2310 स्पेशल पुलिस ऑफिसर भी सुरक्षा मोर्चा सम्हालेंगे। साथ ही 2310 सोशल पुलिस ऑफिसर को भी नियुक्त किया गया है। जिले की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान रखते हुए 112 अपराधियों को पूर्व में ही जिला बदर किया जा चुका है। निर्वाचन मतदान के सुचारू संचालन के लिए 58 सेक्टर मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया है।

सभी 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 8000 स्थानीय पुलिस बल तैनात किया गया है। विशेष सुरक्षा बल की 2 कंपनी भी तैनात की गई है। इसके अलावा एसएएफ के 250-300 जवानों की भी सुरक्षा के लिए तैनाती की गई है। प्रत्येक केन्द्र में सीएपीएफ और स्पेशल पुलिस ऑफिसर के अलावा होमगार्ड भी तैनात किये गये है। मतदान दिवस पर संवेदनशील क्षेत्रों में सीएपीएफ गश्त करेंगी। पूरे जिले के लिए 32 क्विक रिस्पांस मोबाइल टीम भी सक्रिय रहेगी। जिले में 24 फ्लाईंग स्क्वाड टीम के अलावा 29 पुलिस मोबाइल टीम तथा 13 सुपरवाइजरी टीम भी लगातार भ्रमण करेंगी।

मतदान के सुचारू एवं शांतिपूर्वक संचालन के लिए पुलिस के 350 पेट्रोलिंग वाहन लगातार क्षेत्र में नजर रखेंगे। सभी विधानसभा क्षेत्रों के सब डिवीजनल क्षेत्र में 20-20 व्यक्तियों का एक-एक स्ट्राइकिंग रिजर्व फोर्स भी रहेगा। इनके अलावा खुरई, राहतगढ़, बंडा और सागर शहर में 40-40 पुलिस जवानों का डीजीपी रिजर्व बल तैनात रहेगा, जो संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार दौरा करेगा। सीएपीएफ की 18 कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी की टीम भी चुनाव क्षेत्रों का निरंतर दौरा करेंगी। मतदान के बाद शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाए गये ईवीएम के स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। जहां सीएपीएफ के 45 जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। एसएएफ और जिला पुलिस बल का एक-एक दल भी रहेगा। स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। स्थल पर एक बड़ी एलईडी भी लगाई गई है। पुलिस कंट्रोल रूम से सभी मतदान दल संपर्क में रहेंगे।

जिले की राजस्व सीमा में मतदान समाप्ति तक शुष्क दिवस रहेगा। जिले की सभी मदिरा दुकानों, वाईन आउटलेट, देशी मद्य भण्डारागार, विदेशी मदिरा मद्य भण्डारागार से मदिरा का विक्रय, परिवहन अथवा प्रदाय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। सभी मतदान क्षेत्र में किसी भी होटल, आहार गृह, क्लब, मधुशाला में अथवा अन्य किसी सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्प्रिटयुक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी ही प्रकृति के अन्य पदार्थ का भी विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन भी प्रतिबन्धित रहेगा।

मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र राज्य सरकार, पीएसयू सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल हैं।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।